केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

सोचा कुछ,
किया कुछ,
हुआ कुछ,
मिला कुछ,
यही जीवन है

वर्ष : 16 अंक : 248 | उज्जैन, मंगलवार 17 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

अर्चना चिटनिस के सतत प्रयासों से बुरहानपुर विकास की नई ऊँचाइयों पर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणाओं से मिली नई दिशा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर की लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) के दूरदर्शी नेतृत्व, लगनशीलता और प्रभावी कार्यशैली के चलते बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र विकास और समृद्धि के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बुरहानपुर का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है और विधायक अर्चना चिटनिस की सक्रिय भूमिका से जिले में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि हम एयर स्ट्रिप की बात करते है तो अर्चना दीदी मिनी एयरपोर्ट से कम की मांग और उससे कमतर काम नहीं चाहती। अंतः बुरहानपुर को मिनी एयरपोर्ट देने की घोषणा करता हूं।

श्रीमती चिटनिस ने मुख्यमंत्री के समक्ष जिले के समग्र विकास को लेकर महत्वपूर्ण मांगें रखीं, जिन पर मुख्यमंत्री ने तत्परता से घोषणाएँ कर बुरहानपुर को ऐतिहासिक सौगातें दीं। इनमें प्रमुख रूप से केला उत्पादक किसानों के लिए वैल्यू एडिशन, भंडारण एवं प्रसंस्करण इकाई की स्थापना, बुरहानपुर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन, नगर परिषद शाहपुर को नगर पालिका का दर्जा, उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना, संगीत-कला, वारकरी संप्रदाय के लिए शिक्षण संस्थान, खामनी-दहीहांडी-बड़सिंगी-मैथा, खामनी-रायगांव, शाहपुर-सुखपुरी एवं लालबाग-शहादरा मार्गों का निर्माण एवं मजबूतीकरण की स्वीकृति, महाविद्यालयों में हॉर्टीकल्चर विषय प्रारंभ करना, युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण केंद्र, बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों के बकाया भुगतान, जिले में नए उद्योग-धंधों की स्थापना जैसी विकासोन्मुख घोषणाएँ शामिल हैं, जो बुरहानपुर को औद्योगिक, कृषि एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाएंगी।

केला उत्पादक किसानों के लिए वैल्यू एडिशन, भंडारण एवं प्रसंस्करण इकाई की स्थापना- श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि बुरहानपुर आदिकाल से कपड़ा और कपड़े की जरदारी का प्रमुख केन्द्र रहा है। अंग्रेज हमारे बुरहानपुर से कला बत्तु और जरदारी की कला को इंग्लेंड और यूरोप ले गए। बुरहानपुर में कपड़े पर स्वर्ण और चांदी-तांबा आदि धातुओं से कलात्मक छपाई होती रही। जिसका परिष्कृत स्वरूप आज केले के रेशे से कपड़ा निर्माण तक माननीय मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम स्थल पर स्वयं देखा है। अतः बुरहानपुर के कपड़ा उद्योग और बुनकरों को मध्यप्रदेश सरकार ऐसी सुविधाएं और उद्योग की सौगात दे जिससे बुरहानपुर अपने प्राचीन स्वरूप के साथ-साथ नए विश्व स्तरीय परिष्कृत उद्योग लगाकर प्रगति के नए आयाम स्थापित करें। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि बुरहानपुर कपड़ा उद्योग और पावरलूम का प्रमुख केंद्र है और ÷बुनकरों का शहर÷ के रूप में देशभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि कपास और केला जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रोसेसिंग, भंडारण और निर्यात सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, जिससे किसानों की आय और युवाओं हेतु रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकेंगी।

सिंचाई और जल संसाधन परियोजनाओं से बदलेगी बुरहानपुर की तस्वीर- ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना को लेकर विगत 25 वर्षों से प्रयत्नशील श्रीमती अर्चना चिटनिस की मेहनत को अब धरातल पर उतरता हुआ शीघ्र देख सकेंगे। श्रीमती चिटनिस ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में ताप्ती मेगा रीचार्ज परियोजना को कैबिनेट से स्वीकृति मिली है, जिससे जिले को दीर्घकालीन जल सुरक्षा प्राप्त होगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी विकास का आधार बनेगा। जिस पर बुरहानपुर के मंच पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ताप्ती ग्राउंड वॉटर मेगा रिचार्ज परियोजना को जब बुरहानपुर के लिए वरदान बताया और शीघ्र ही इस योजना का क्रियान्वयन करने की बात कही।

श्रीराम गमन पथ में शामिल हो बुरहानपुर- विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने बुरहानपुर के प्राचीन, वैदिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए श्रीराम गमन पथ में शामिल करने और उज्जैनी समान अपने बुरहानपुर नगर को हर युग में बदलते स्वरूप अनुरूप ढलने वाली स्थली बताते हुए इसके प्राचीन स्वरूप और तत्समय के उज्जवल निखार को पुनः स्थापित करने हेतु बात कही। श्रीमती चिटनिस ने कहा कि भगवान श्री राम ने ताप्ती तट पर पौराणिक स्थल ब्रघ्नपुर में आगमन किया था, ऐसा स्कंद पुराण के ताप्ती महात्म्य में वर्णन है।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू के आरएसपुरा बाल सुधार गृह में फायरिंगः पाकिस्तानी नागरिकों ने पुलिस पर किया हमला, दीवार फांदकर हुए फरार

आरएसपुरा/ जीएनएस। जम्मू के आरएसपुरा स्थित जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन होम से तीन नाबालिग पुलिस पर हमला कर फरार हो गए। इनमें दो पाकिस्तानी नागरिक - अहसान अनवर और मोहम्मद सनाउल्लाह, और गटारू हत्याकांड में शामिल आरएसपुरा का करनजीत सिंह उर्फ इलियास गोगा भी शामिल हैं। घटना सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे की बताई जा रही है। हमले में हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार और एसपीओ विनय चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के दौरान देसी कट्टे से फायरिंग किए जाने की भी सूचना है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घायल हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार के अनुसार, बाल सुधार गृह में बंद करीब 27 नाबालिग आपस में झगड़ रहे थे। जब उन्होंने और एसपीओ विनय चौधरी ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया तो तीन नाबालिगों ने अचानक हमला कर दिया। आरोप है कि इन तीनों ने पहले अन्य बाल बंदियों को एक कमरे में बंद कर दिया और फिर ड्यूटी पर तैनात दोनों पुलिसकर्मियों पर हमला बोल दिया। घायल प्रवीण कुमार के अनुसार, आरोपियों के पास देसी कट्टा भी था, जिससे फायरिंग की गई। एसपीओ विनय चौधरी के सिर में गंभीर चोट आई है तथा गोली लगने की भी आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दोनों घायलों को पहले आरएसपुरा के अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए जम्मू मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। सूत्रों के अनुसार, पुलिसकर्मियों को घायल करने के बाद तीनों नाबालिग बाल सुधार गृह से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि आरएसपुरा- अरनिया मुख्य मार्ग पर प्रसिद्ध आशा राइस मिल के पास एक राहगीर को देसी कट्टा दिखाकर उसकी मोटरसाइकिल छीनी गई और उसी पर सवार होकर आरोपी सांबाङ्कविजयपुर की ओर भाग निकले।

पंजाब के किसानों की नई टेंशन! तापमान में बढ़ोतरी से गेहूं की फसल पर संकट, उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब के गुरुदासपुर में बढ़ते तापमान से गेहूं की फसल के उत्पादन पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि वे थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करें, ताकि दाने कमजोर न पड़ें। इसके साथ ही, पीली कुंगी और तेले के हमले से बचाव के लिए खेतों की जांच करते रहें और 13-0-45 का स्प्रे करें। किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता है। इस समय जिले के खेतों में गेहूं की हरी-भरी फसल लहरा रही है। खेतों में लहराती फसल में बालियां निकलने के बाद दूध तैयार होगा और दूध के बाद दाने बनने लगेंगे। ऐसे में दिन में बढ़ता तापमान बालियों में दूध और दानों पर असर डाल सकता है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि जब गेहूं की बालियां निकलें तो थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें, ताकि जमीन में नई ग्रोथ बनी रहे। सूखे हालात में गेहूं का तना कमजोर हो जाता है और फसल जमीन पर लेट जाती है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक, धूप कई दूसरे पोषक तत्व सोख लेती है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ना स्वाभाविक है। इससे गेहूं की पैदावार में निश्चित रूप से गिरावट आएगी। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एचएस धालीवाल ने बताया कि इस समय गेहूं में दूध बन चुका है और कुछ ही दिनों में दूध से दाने तैयार हो जाएंगे। ऐसे समय में किसानों को समय-समय पर अपने खेतों की जांच करते रहना चाहिए, क्योंकि दिन का तापमान बढ़ने के साथ ही फसल पर पीली कुंगी और तेले का हमला हो सकता है। ऐसे समय में तेले और पीली कुंगी खत्म करने के लिए खेती के जानकारों की सलाह से ही स्प्रे करना चाहिए।

आपके पास 5 साल हैं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने DRDO को स्वदेशी जेट इंजन बनाने का दिया चैलेंज

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को बेंगलुरु में के गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान का दौरा किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने वैज्ञानिकों से कहा कि वे स्वदेशी एयरो-इंजन प्रोजेक्ट को पांच साल के अंदर पूरा करें। साथ ही राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि 6ह्लद्ध जेनेरेशन के जेट इंजन बनाने की भी तैयारी करनी चाहिए।

भारत की स्ट्रेटेजिक आजादी और जरूरी टेक्नोलॉजी में तेजी से महारत हासिल करने के महत्व पर जोर देते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के मौजूदा हालात और स्ट्रेटेजिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, 25 साल के टारगेट को घटाकर पांच साल कर देना चाहिए। राजनाथ सिंह ने डेडलाइन को एक चुनौती माना; हालांकि, उन्होंने कहा कि यह हैरान करने वाली बात नहीं होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा, अगर एक इंजन बनाने में 25 साल लगते हैं, तो भारत के मौजूदा हालात, हमारी स्ट्रेटेजिक जरूरतों और हमारे राष्ट्रीय लक्ष्यों को देखते हुए, हमें यह मान लेना चाहिए कि उनमें से 20 साल पहले ही बीत चुके हैं और सिर्फ़ पांच साल बचे हैं।

यह एक चुनौती है। हमें इन पांच सालों में वह हासिल करना है जो दूसरे देश आम तौर पर बीस सालों में हासिल करते हैं। कम समय में, हमें अपना बेस्ट देना होगा। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि भारत सिर्फ पांचवीं पीढ़ी के इंजन तक सीमित नहीं रह सकता और उसे छठी पीढ़ी और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर तुरंत काम शुरू करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डिफेंस सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और एडवांस्ड मटीरियल के बढ़ते ग्लोबल इस्तेमाल के लिए भारत को सबसे आगे रहने की जरूरत है।

बेंगलुरु में गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट में बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि छ्रञ्जश्व के तहत काम करने वाला यह एस्टैब्लिशमेंट भारत की स्ट्रेटेजिक क्षमता की नींव बन गया है, राजनाथ सिंह ने दोहराया कि तेजी से बदलती जियोपॉलिटिकल सच्चाइयों के बीच जरूरी डिफेंस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता का अब कोई ऑप्शन नहीं है। उन्होंने कहा, जब हम सत्ता में आए, तो हमने आत्मनिर्भरता की ओर कदम उठाए।

डिफेंस सेक्टर में भी, हमने आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई कोशिशें कीं। डिफेंस मंत्री के तौर पर, अपने लगभग 7 साल के कार्यकाल के दौरान, मैंने एयरो इंजन के डेवलपमेंट को प्राथमिकता देने की पूरी कोशिश की।

ब्रिक्स को लेकर भारत से दूरी बनाना हमारी गलती; जयशंकर के सामने जर्मन विदेश मंत्री का कबूल नामा

नई दिल्ली/ जीएनएस। म्यूनिक सुरक्षा सम्मलेन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मिलकर एक इंटरव्यू दे रहे वेडफुल ने यूरोप की बदलती रणनीति का भी जिक्र किया। वेडफुल ने कहा कि यूरोप अब इन देशों के साथ अपने रिश्तों का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। भारत और ब्राजील जैसे साझेदार देशों के साथ साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और समान हितों पर अधिक ध्यान दे रहा है। यूरोप अब मानता है कि भारत जैसे देशों के साथ उनके रिश्ते अब केवल इसलिए प्रभावित नहीं होने चाहिए, क्योंकि भारत रूस और चीन के किसी समूह का सदस्य है।

वेडफुल ने यहां पर रूस और चीन के साथ यूरोप के तनाव पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मॉस्को के साथ यूरोप का तनाव बहुत बुनियादी है। इसके अलावा चीन के साथ भी मतभेद हैं। उन्होंने कहा, ÷भारत और ब्राजील जैसे देशोंके साथ हमारे कई साझा हित और मूल्य हैं। क्यों न हम इन साझा हितों और मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करें। चीन और रूस के साथ हमारे मतभेद हैं, वह अलग बात है।÷ वेडफुल ने कहा कि चीन की तुलना में भारत की स्थिति एक विशिष्ट साझेदार के रूप में है।

अब चीन-अमेरिका नहीं! भारत बनाएगा अपनी चिप, फरवरी में इतिहास रचने की तैयारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकार की ओर से स्वीकृत 10 सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स में से पहले प्रोजेक्ट की शुरुआत इसी महीने के आखिर तक संभव है। अमेरिका की बड़ी चिप मेकर कंपनी Micron Technology भारत में अपने प्लांट से प्रोडक्शन शुरू करेगी। यह पहली बार होगा जब भारत में कॉमर्शियल लेवल पर सेमीकंडक्टर की मैन्युफेक्चरिंग शुरू होगी, जो अब तक मुख्य रूप से इंपोर्ट पर निर्भर रही है। इसका सकारात्मक असर इलेक्ट्रॉनिक्स के होम-प्रोडक्शन पर भी पड़ेगा।

Micron का यह प्रोजेक्ट केवल सामान्य चिप मैन्युफैक्चरिंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हाई-बैंडविड्थ मेमोरी जैसे एडवांस्ड कंपोनेंट्स पर भी काम करेगी। HBM लेटेस्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम के लिए बेहद अहम मानी जाती है, क्योंकि यह तेज डाटा प्रोसेसिंग और बड़े AI मॉडल्स को सपोर्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कर्नाटक में लीडरशिप विवाद के बीच मंत्री महादेवप्पा का अजीबोगरीब बयान, अवारा कुत्तों से किसकी कर दी तुलना?

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक में लीडरशिप में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच टॉप पोस्ट के लिए लंबे समय से लड़ाई चल रही हैं। सत्ताधारी कांग्रेस को परेशान कर रही हैं, सोमवार को सोशल वेलफेयर मिनिस्टर एचसी महादेवप्पा की बातों ने लोगों को हैरान कर दिया।

महादेवप्पा ने पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री के समय से पहले हटने की खबरों को गलत बताया था, आज दोपहर अपनी बात दोहराई। उन्होंने कहा कि हमारी लीडरशिप मजबूत है। बदलाव का कोई सवाल ही नहीं है और कांग्रेस हाई कमांड से दखल की मांग करने वाले कुछ विधायकों और मंत्रियों की बुराई की।

उन्होंने कहा, हाई कमांड को डायरेक्शन कौन देता है? क्या आप या मैं दे सकते हैं? उन्हें हमें डायरेक्शन देना चाहिए। क्या पूंछ कुत्ते को हिलाएगी? पूरी लीडरशिप में इस बारे में कोई चर्चा नहीं हो रही है। लेकिन एक और बात ने सबका ध्यान खींचा, जब महादेवप्पा ने कहा कि हाई कोर्ट कहता रहता है कि सभी आवारा कुत्तों को पकड़ो और उन्हें अंदर रखो। इस बात को डीके शिवकुमार और उनके पावर प्ले का समर्थन करने वाले विधायकों पर परोक्ष हमला माना जा रहा हैं। हालांकि महादेवप्पा ने कोई और सफाई नहीं दी।

अमेरिका-भारत ट्रेड डीलः अगले हफ्ते US जाएगी भारतीय अधिकारीयों की टीम, जानें कब समझौता पर लगेगी मुहर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर दोनों देशों के संयुक्त बयान जारी होने के बाद अब वैधानिक समझौते का मसौदा तैयार होना शुरू हो गया है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि भारत की तरफ से समझौते के मुख्य पैरोकार अगले सप्ताह अमेरिका जा रहे हैं जहां समझौते के वैधानिक मसौदे को अंतिम रूप देने का काम किया जाएगा।

उसके बाद मार्च में दोनों देश समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। संयुक्त बयान जारी होने के बाद अमेरिका की तरफ से जुर्माने के रूप में लगाए गए 25 प्रतिशत का शुल्क तो समाप्त हो गया है, लेकिन अभी 25 प्रतिशत के पारस्परिक शुल्क में कोई राहत नहीं मिली है।

भारतीय टीम अगले सप्ताह अमेरिका में मसौदा अंतिम करेगी- दोनों देशों के संयुक्त बयान के मुताबिक इस शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना है। भारत के मुख्य वार्ताकार की टीम अमेरिका दौरे पर इस राहत की घोषणा को जल्द लागू करवाने पर भी बात करेगी। अगर अभी यह दर कम नहीं हो पाई तो मार्च में हस्ताक्षर प्रक्रिया पूरी होने के बाद पारस्परिक शुल्क 18 प्रतिशत हो पाएगा।

भारत भी अमेरिका को शुल्क में किसी भी प्रकार की राहत समझौते पर हस्ताक्षर के बाद ही देने जा रहा है।वाणिज्य मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि अमेरिका के जेनेटिकली मोडिफाइड (जीएम) सोयाबीन या मक्का या अन्य कोई जीएम कृषि आइटम को भारत में आने की इजाजत नहीं दी गई है।

जहां तक का सवाल है तो भारत मुख्य रूप से लंबाई वाले काटन का आयात अमेरिका से करेगा। भारत हर साल 40-50 लाख बेल्स (एक बेल में 170 किलोग्राम) काटन का आयात करता है। यह आयात आस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्राजील जैसे देशों से होता है।

अमेरिकी गारमेंट बाजार खुलने से भारत का निर्यात बढ़ेगा- आस्ट्रेलिया से 25-26 करोड़ डॉलर तो अमेरिका से 20 करोड़ डालर का काटन आयात होता है। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक अमेरिका से काटन आयात करने पर भारतीय किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन बदले में अमेरिका जो अपना गारमेंट बाजार भारत के लिए कम शुल्क पर खोलने जा रहा है, उससे रोजगारपरक गारमेंट इंडस्ट्री का निर्यात काफी बढ़ सकता है।

डिजिटल पेमेंट में तेजी, लेकिन कैश ट्रांजैक्शन भी बढ़ा; 40 लाख करोड़ के पार पहुंचा करेंसी सर्कुलेशन

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में डिजिटल भुगतान के तेज विस्तार के बावजूद नकदी का प्रचलन लगातार बढ़ रहा है।

स्टेट बैंक की तरफ से सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 तक भारत में करेंसी इन सर्कुलेशन (सीआई सी) 40 लाख करोड़ रुपये के रिकार्ड स्तर को पार कर गई। यह सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि 5.3 प्रतिशत थी।

जनवरी 2026 तक 40 लाख करोड़ रुपये पार कर गया- सीआईसी आरबीआई द्वारा जारी किए गए कुल नोटों और सिक्कों की कुल वैल्यू है, जो अर्थव्यवस्था में फिजिकल रूप से इस्तेमाल हो रही है। दूसरे शब्दों में कहें तो बाजार में, लोगों के पास, दुकानों में, एटीएम में जो कैश (नकदी) घूम रही है, उन सभी का कुल योग।

वर्ष 2016 में नोटबंदी के समय दावा किया गया था कि सीआईसी का स्तर कम किया जाएगा क्योंकि इसकी लागत ज्यादा होती है। आंकड़ें दूसरी कहानी कह रहे हैं।

आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक (जनवरी तक) करेंसी इन सर्कुलेशन में 2.76 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब 3.11 गुना अधिक है। इतनी वृद्धि पहले इस अंतराल में कभी नहीं हुई।

इंदौरः थाना राऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक ही दिन में अवैध हथियारों के दो प्रकरण दर्ज, दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना राऊ पुलिस ने एक ही दिन में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से दो देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और दो धारदार चाकू बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री अमित सिंह और पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री कृष्ण लालचंदानी के निर्देशानुसार की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्रीमति मीना चौहान के मार्गदर्शन और सहायक पुलिस आयुक्त गांधी नगर श्रीमति निधि सक्सेना के निर्देशन में थाना प्रभारी राऊ को विशेष चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे।

पहली कार्रवाई 15 फरवरी 2026 को की गई, जब थाना राऊ पुलिस टीम ने सिलिकॉन सिटी गेट के पास नारायणी स्कूल के पीछे एक युवक को संदिग्ध अवस्था में खड़ा पाया। पूछताछ में उसने अपना नाम रितेश मकवाना (25 वर्ष) निवासी टिकरिया राव कनाडिया, इंदौर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी पिस्टल, जिसमें मैगजीन में जिंदा कारतूस भरा था, और एक धारदार चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर विधिवत पंचनामा और वीडियोग्राफी कर धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया।

दूसरी कार्रवाई उसी दिन रात में मुखबिर की सूचना पर की गई। ए.बी. रोड बायपास स्थित कॉफी कॉन्सेप्ट कैफे के पास सर्विस लेन में पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा, जिसने अपना नाम सत्येंद्र पाल (22 वर्ष) निवासी तेजाजी नगर, इंदौर बताया। तलाशी में उसके पास से भी एक देशी पिस्टल जिंदा कारतूस सहित और एक धारदार चाकू बरामद हुआ। उसके खिलाफ भी धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस दोनों आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने अवैध हथियार कहां से प्राप्त किए और क्या वे पूर्व में किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे हैं।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राऊ निरीक्षक राजपाल सिंह राठौड़, उपनिरीक्षक प्रवीण जाधव, आरक्षक कमलेश चोरे, आरक्षक नारायण यदुवंशी और सायबर टीम जोन-1 की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अवैध हथियारों का उपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

चोइथराम नेत्रालय में 13वें मेगा आई कैंप की हुई क्लोजिंग सेरेमनी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर सम्भागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े आज चोइथराम नेत्रालय में 13वें मेगा आई कैंप की क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल हुए। तीन महीने तक चले इस मानवीय आई केयर मिशन का समापन था। इस शिविर का उद्देश्य आँखों की रोशनी वापस लाने और ज़िंदगी बदलने के लिए समर्पित था। चोइथराम नेत्रालय द्वारा ऑप्थल्मोलॉजी सर्विस और कम्युनिटी आउटरीच पर केंद्रित इंदौर व उज्जैन संभाग के 15 जिलों के लिए यह आई शिविर विगत 15 नवंबर 2025 से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया। सम्भागायुक्त डॉ. श्री सुदाम खाड़े ने इस शिविर को संबोधित किया और इंटरनेशनल मेहमानों से चर्चा की। साथ ही उन्होंने डिस्चार्ज एरिया में ऑपरेशन वाले मरीज़ों से मिले और मेडिकल टीम की कोशिशों की भी सराहना की। श्री लेखू और श्री अश्विनी वर्मा समेत कई जाने-माने लोगों ने प्रेरणा देने वाले भाषण दिए, जिसके बाद एक इंटरैक्टिव सवाल-जवाब सेशन हुआ, जिसमें ट्रांसपेरेंसी और कम्युनिटी एंगेजमेंट के प्रति कमिटमेंट दिखा। सेरेमनी का एक बहुत ही दिल को छू लेने वाला पल पेशेंट डिस्चार्ज प्रोग्राम था, जहाँ मेहमानों ने उन बेनिफिशियरी से पर्सनली बातचीत की जिनकी आँखों की रोशनी वापस आ गई थी। इस बड़े आउटरीच प्रोग्राम के दौरान 40,000 मरीज़ों की स्क्रीनिंग की गई। 7,500 सर्जरी के माध्यम से सफलतापूर्वक आँखों की रोशनी आई। आँखों के डॉक्टरर्स, ऑप्टोमेट्रिस्ट, पैरामेडिकल स्टाफ़ और वॉलंटियर्स की खास टीमों ने दूर-दराज और पिछड़े इलाकों में अपनी सेवाएं दी।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए सुनिश्चित- लापरवाही पर होगी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों, शासन की हितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा संकल्प से समाधान अभियान के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, एमपीआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय तथा श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सीएम हेल्पलाइन तथा सुशासन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सभी शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो। साथ ही शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाना आवश्यक है। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने आज सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की रेण्डम रूप से समीक्षा भी की। 5 प्रकरणों में लापरवाही तथा देरी से निराकरण पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रकरणों को गंभीरता से देखें और त्वरित रूप से निराकरण सुनिश्चित करें।

उन्होंने संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर पात्र व्यक्ति को उसकी पात्रता के अनुसार शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ मिले। हितग्राहियों के चयन के लिए ग्राम पंचायत से लेकर नगर निगम और नगर परिषदों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इंदौर फिर नंबर-1 की तैयारी में जुटा, पार्षदों का स्वच्छता अभ्यास वर्ग शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश का सबसे स्वच्छ शहर माने जाने वाला इंदौर एक बार फिर स्वच्छता में नंबर-1 बनने की दिशा में सक्रिय हो गया है। स्वच्छता अभियान को और मजबूत करने के उद्देश्य से 16 फरवरी 2026 को आरआरआर केंद्र, केसर बाग में स्वच्छता अभ्यास वर्ग एवं स्वच्छ वार्ड रैंकिंग अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, आयुक्त क्षितिज सिंघल, स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, महापौर परिषद सदस्य और बड़ी संख्या में पार्षद उपस्थित रहे।

कार्यशाला में 400 अंकों की स्वच्छ वार्ड रैंकिंग टूलकिट की विस्तृत प्रस्तुति दी गई। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक वार्ड का मूल्यांकन कचरा प्रबंधन, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, जनसहभागिता, सफाई व्यवस्था, आरआरआर गतिविधियाँ और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता जैसे मानकों पर किया जाएगा। नगर निगम की योजना है कि इस प्रणाली से वार्डों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और नागरिकों की भागीदारी भी मजबूत होगी।

कार्यक्रम के दौरान सूरत, नवी मुंबई और विशाखापत्तनम के अध्ययन दौरे के अनुभव भी साझा किए गए। इन शहरों में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, उन्नत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, क्लीन स्ट्रीट सिस्टम और मशीनरी आधारित सफाई व्यवस्था जैसे मॉडल सफलतापूर्वक लागू किए गए हैं। इंदौर में भी इन मॉडलों को अपनाने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर डिजिटल इंदौर RRR टैलेंट प्लेटफॉर्म का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह मंच शहर में तकनीकी नवाचार, युवा प्रतिभा, क्लीन-ग्रीन प्रोजेक्ट और डिजिटल भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा। नई स्वच्छ वार्ड रैंकिंग प्रणाली के अंतर्गत प्रत्येक वार्ड को प्रतिदिन डिजिटल पोर्टल पर अपनी सफाई रिपोर्ट अपडेट करनी होगी। निरीक्षण टीम नियमित भ्रमण करेगी और नागरिकों से फीडबैक भी लिया जाएगा। वर्ष के अंत में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले वार्ड को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर को पुनः नंबर-1 बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में कई विकास कार्य पूरे हुए हैं और कई योजनाएँ प्रगति पर हैं। उनका कहना था कि यदि सभी जनप्रतिनिधि स्वच्छता के मानकों का पालन करते हुए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करें तो इंदौर को शीर्ष स्थान से कोई नहीं रोक सकता। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता अभियान में पार्षदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और निरंतर मेहनत के बल पर इंदौर आगे भी नंबर-1 बना रहेगा। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भी कहा कि शहर का सम्मान हम सभी की जिम्मेदारी है और अधिकारी, पार्षद तथा नागरिक मिलकर टीम भावना से कार्य करेंगे तो इंदौर पुनः स्वच्छता का चैंपियन बनेगा।

दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ आज 17 फरवरी से

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के साथ-साथ इंदौर जिले में भी दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ 17 फरवरी को किया जाएगा। यह चरण 17.02.2026 से 19.03.2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों में विटामिन-ए की कमी रोकना, बाल मृत्यु दर एवं रतौंधी में कमी लाना, एनिमिया फालोअप सुदृढ़ करना, प्रथम चरण में छुटे बच्चों की पहचान करना है। अभियान के इस चरण में 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों में विटामिन-ए का अनुपूरण किया जाएगा तथा प्रथम चरण में एनिमिक पाए गए बच्चों का फालोअप किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने कहा कि दस्तक अभियान के उ?देश्यों को प्राप्त करने के लिए हमें मजबूत रणनीति के साथ काम करना होगा। इसके लिए आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम के माध्यम से हमें जिले में चिन्हित 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों तक पहुँचना होगा। खासकर हमारा ध्यान हाईरिस्क एरिया, अर्बन स्लम, पहुँचविहीन क्षेत्रों, खानाबदोश आबादी, ईट भट्टे, बंजारा आबादी तथा निर्माणाधीन भवन पर होना चाहिए। अभियान के दौरान मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत बनाए। अभियान के दौरान लगभग 04 लाख बच्चों को विटामिन-ए की दवा पिलायी जायेगी तथा लगभग 1.5 लाख बच्चों का एनिमिया परीक्षण किया जायेगा।

इंदौर जिले में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने तथा पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए क्षीर धारा ग्राम योजना हुई प्रारंभ

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा ने ली बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप इंदौर जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि तथा पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए क्षीर धारा ग्राम योजना प्रारंभ की गई है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। इस संबंध में आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार सुनिश्चित किया जाए तथा सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने बताया कि जिले में डेयरी लाइवस्टॉक मिशन के अंतर्गत पशुधन का पंजीयन किया जा रहा है। क्षीर धारा ग्राम अभियान के माध्यम से दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर रहे, उन्हें गुणवत्तापूर्ण चारा उपलब्ध हो तथा वैज्ञानिक तरीके से उत्पादन बढ़ाने के उपाय अपनाए जाएं।

होली त्योहार को ध्यान मे रखते हुये तीन जोड़ी ट्रेनों के फेरे विस्तारित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त यात्रा मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए, रतलाम मंडल से होकर परिचालित की जा रही तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को पुनः विस्तारित किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है-

1. ट्रेन संख्या 09005 बान्द्रा टर्मिनस-भिवानी- सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल जिसका अंतिम फेरा 25 फरवरी, 2026 निर्धारित है, 25 मार्च, 2026 तक बान्द्रा टर्मिनस-भिवानी से प्रति बुधवार को तथा ट्रेन संख्या 09006 भिवानी-बान्द्रा टर्मिनस जिसका अंतिम फेरा 27 फरवरी, 2026 निर्धारित है, 27 मार्च, 2026 तक भिवानी से प्रति शुक्रवार को चलेगी।
2. ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी स्पेशल जिसका अंतिम फेरा 27 फरवरी, 2026 तक निर्धारित है 27 मार्च, 2026 तक मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को तथा ट्रेन संख्या 09002 भिवानी – मुंबई सेंट्रल स्पेशल जिसका अंतिम फेरा 28 फरवरी, 2026 निर्धारित है, 28 मार्च, 2026 तक भिवानी से प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को चलेगी।
3. ट्रेन संख्या 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल जिसका अंतिम फेरा 27 फरवरी, 2026 तक निर्धारित है 27 मार्च, 2026 तक गांधीधाम से प्रत्येक शुक्रवार को तथा ट्रेन संख्या 09452 भागलपुर - गांधीधाम स्पेशल जिसका अंतिम फेरा 02 मार्च 2026 निर्धारित है, 30 मार्च 2026 से प्रत्येक सोमवार को चलेगी।

ट्रेनों के आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

इंदौर में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यारियां - द फ्रेंड्स क्लब अभियान शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले तथा विभिन्न कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक, सामान्य एवं जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ÷यारियां – द फ्रेंड्स क्लब÷ अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए चर्चा हेतु आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी, विभिन्न कोचिंग संस्थानों के संचालक एवं डायरेक्टर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए कोचिंग संस्थानों के संचालकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखने के लिए सकारात्मक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएं तथा अभिभावक की भूमिका निभाते हुए उनसे नियमित संवाद बनाए रखें।

आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान किया जाए और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए निरंतर काउंसलिंग भी की जाए। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अनेक विद्यार्थी अपने घरों से दूर रहकर हॉस्टल या किराये के कमरों में रहते हैं, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में उन्हें उचित मार्गदर्शन, परामर्श और भावनात्मक सहयोग प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे तनाव से निपटते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकें और समाज के अच्छे नागरिक बनें तथा जीवन में वांछित सफलता प्राप्त करें।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा शासकीय हॉस्टलों में भी नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो समय-समय पर विद्यार्थियों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और समाधान में सहयोग करेंगे।

विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु हेल्पलाइन 14416 नम्बर भी जारी किया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कोचिंग संचालकों से कहा कि हेल्पलाइन के साथ-साथ संस्थान स्तर पर भी फेस-टू-फेस काउंसलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के सभी बच्चे हमारी सामूहिक जिम्मेदारी हैं। जो विद्यार्थी अपने माता-पिता से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, उनके प्रति कोचिंग संस्थानों को अभिभावक जैसा व्यवहार करना चाहिए और उनकी हर समस्या का समाधान करने का प्रयास करना चाहिए, ताकि वे जीवन में सफल हो सकें। बैठक में कहा गया कि नशा मुक्ति की ओर भी विशेष ध्यान दिया जाए। शैक्षणिक संस्थाओं में निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जाए। बैठक में कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी अभियान के प्रति सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

अग्निवीर सेना भर्ती के नामांकन प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेना में अग्निवीर (पुरुष) जी0डी0/ कर्लक/ एस. के. टी./ दैनिक्ल/ट्रेडस्मैन (8वीं व 10वीं), महिला सेना पुलिस एवं स्थाई पद नर्सिंग असिस्टेट/नर्सिंग असिस्टेट (वैट) और सिपाही फार्मा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है। आवेदन की प्रक्रिया 01 अप्रैल 2026 तक खुली रहेगी। इसकी अधिसूचना इंडियन आर्मी वेबसाइट www.joinindiarmy.nic.in पर उपलब्ध हैं। इस बार सेना भर्ती के लिए आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है, इसमें 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा अग्निवीर पद के लिए और स्थाई पद के लिए 01 जुलाई 2004 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा ही पंजीकरण कर सकेंगे। अभ्यार्थी किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सेना भर्ती कार्यालय महू से टेलिफोन नंबर 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

दो करोड रूपये की लागत से निर्माणाधीन गार्डन का कार्य समय-सीमा में करें पूर्ण - मंत्री श्री सिलावट

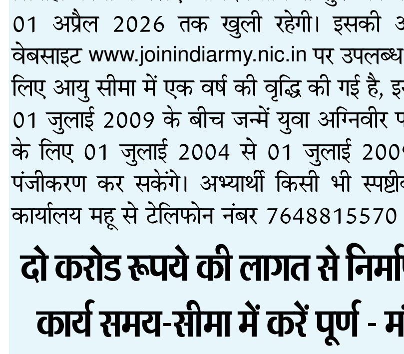

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांवेर नगर परिषद के वार्ड नंबर 6 चामुंडा माता मंदिर के पास गार्डन निर्माण एवं पछाड भेरू मंदिर के पास पेवर ब्लाक का कार्य मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना एवं मुख्यमंत्री जी की घोषणानुसार दो करोड रूपये की लागत से किया जा रहा है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज इस निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने श्री संदीप चंगेडिया और मुख्य नगर पालिक अधिकारी को कार्य पूर्णता की दिनांक जुलाई 2026 के पूर्व संपूर्ण निर्माणाधीन कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना से दो करोड की लागत से सांवेर नगर परिषद के वार्ड नंबर 6 चामुंडा माता मंदिर के पास गार्डन निर्माण एवं पछाड भेरू मंदिर के पास पेवर ब्लाक कार्य किया जा रहा है। यह अनुपम सौगात सांवेरवासियों को जल्दी ही मिलने वाली है। इस आकर्षक गार्डन में लाईटिंग, वाटर फाउंटेन, ओपन जिम, प्ले झोन, पाथवे, गजिबो, एक्यूप्रेशर ट्रेकिंग, सेल्फी पाइंट, आरओ वॉटर कुलर, शौचालय एवं योगा मंच एवं गरबा सर्कल का निर्माण किया जाएगा। इस गार्डन के निर्माण हो जाने से सांवेरवासियों को काफी लाभ मिलेगा। यह गार्डन सांवेर विधानसभा का अनोखा एवं सुंदरता का प्रतीक रहेगा, जिससे युवाओं, खेलप्रेमियो, योगप्रेमियों एवं बच्चों-वृद्धों को लाभ होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर परिषद सांवेर श्री संदीप चंगेडिया, जिला उपाध्यक्ष श्री दिलीप चौधरी, उपाध्यक्ष श्री जीतुराज राठौर, श्री सुभाष जैन मुन्ना, पार्षद श्री अमित लोबानिया, श्री इन्द्रेश चावडा, श्री अंकित यादव, श्री जयदीप कानूनगो, श्री राहुल डाबी, श्री लाला भाटी, श्री मंसुर अली आदि उपस्थित थे।

शासकीय श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय में स्कूली बच्चों के लिये बुक बैंक योजना शुरू होगी

प्रीतमलाल दुआ सभागृह एवं कलावीथिका के दरों में की गई कमी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज शासकीय श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय इंदौर की परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने समिति के सदस्यों द्वारा वर्तमान में पुस्तकालयों का महत्व बढाने और उपयोगिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है। साथ ही केन्द्रीय पुस्तकालय तथा प्रीतमलाल दुआ सभागृह में चल रही विभिन्न गतिविधियों एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि शासकीय श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय में एक ऐसा बुक बैंक बनाया जाएगा, जिसमें माध्यमिक कक्षाओं से लेकर हाई सेकेण्डरी कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए पुरानी पुस्तकों का संग्रह होगा। इस बुक बैंक योजना में छात्र अपनी पुरानी पुस्तकें जमा कर सकेंगे और जिन्हें पुस्तकों की आवश्यकता होगी, वे यहाँ से निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रकार बुक बैंक में स्कूली कक्षाओं में पढ़ायी जाने वाली पुस्तकों का एक ऐसा संग्रह होगा, जिसका उपयोग जरूरतमंद और कमजोर वर्ग के छात्र भी ले सकेंगे। इसके लिए पुस्तकालय द्वारा वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में डॉ. खाड़े ने कहा कि शासकीय श्री अहिल्या पुस्तकालय में विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां भी शुरू की जाएगी। इसका लाभ लोक सेवा आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग तथा हर तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करने वाले छात्र-छात्राएं उठा सकेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के लिये विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, संगोष्ठी, परिचर्चा आदि गतिविधियां प्रारम्भ करने की रूपरेखा बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही पुस्तकालय में पढ़ने वाले पाठकों की संख्या बढ़े, इसके लिए भी पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा।

बैठक में पुस्तकालय की क्षेत्रीय ग्रंथपाल एवं समिति सचिव श्रीमती हर्षिता डेविड, पूर्व ग्रंथपाल श्री जी.डी. अग्रवाल, सदस्य श्री अनिल भंडारी, संस्कृतिकर्मी श्री जयंत भिसे, सामाजिक कार्यकर्ता श्री अतुल सेठ, नगर निगम के कार्यपालन यंत्री श्री श्रीकांत काटे, इंदौर विकास प्राधिकरण के अधीक्षण यंत्री श्री रोहित मालवीय सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में पुस्तकालय एवं सभागृह में पंखे लगवाने, फर्नीचर, एसी संधारण, वाटरप्रूफिंग, बच्चों के लिये चिल्ड्रन कार्नर, रिनोवेशन एवं कबाड़ के डिस्पोजल के संबंध में भी चर्चा हुई। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने सदस्यों के साथ शासकीय श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय एवं प्रीतमलाल दुआ सभागृह का अवलोकन किया और बेहतर व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

अब प्रीतमलाल दुआ सभागृह में 4 घण्टे के आयोजन भी हो सकेंगे- बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि अब 120 सीटिंग क्षमता वाले प्रीतमलाल दुआ सभागृह में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक संस्थाओं को 4 घंटे के लिए भी किराये पर उपलब्ध कराया जायेगा। प्रीतमलाल दुआ सभागृह की वर्तमान शुल्क दरों में संशोधित किया गया है। नवीन एवं संशोधित दरों के अनुसार सभागृह का किराया 4 घंटे के लिए 3 हजार रुपये तय किया गया है।

जिले के सभी चिंहाकित सेम एवं मेम श्रेणी के बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के विशेष प्रयास करें- श्री चंद्रा

आंगनवाडी में दर्ज सभी बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए-कलेक्टर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चिंहाकित सभी सेम एवं मेम श्रेणी के बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाकर, उनकी श्रेणी सुधार के लिए विशेष प्रयास करें। आंगनवाडी में दर्ज सभी बच्चों के उचित पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग का संपूर्ण अमला स्वास्थ्य विभाग के अमले के साथ आपसी समन्वय से कार्य कर बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर विशेष ध्यान दे और इसके लिए सामुदायिक स्तर पर भी प्रयास करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय पोषण समिति की मासिक बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अंकिता पण्डया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सभी सीडीपीओ, सेक्टर सुपरवाईजर उपस्थित थे।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना की प्रगति की समीक्षा में बताया गया, कि जिले में प्रथम प्रसव वाली सभी महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिलाया जा चुका है। व्दितीय प्रसव वाली 74 प्रतिशत महिलाओं को लाभांवित किया जा चुका है। कलेक्टर ने शेष शतप्रतिशत हितग्राहियों को लाभांवित करने के निर्देश दिए। लाड़ली लक्ष्मी योजना की प्रगति की समीक्षा में बताया गया, कि लाड़ली लक्ष्मी छात्रवृति योजना तहत 7322 संभावित बालिकाओं में से 6696 बालिकाओं को लाभांवित किया जा चुका है। शेष 626 बालिकाओं को छात्रवृत्ति का इस माह अंत तक भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी सेक्टर सुपर वाईजर को शतप्रतिशत आंगनवाडी केंद्रों में टेकहोम राशन एवं गरम पका भोजन शतप्रतिशत हितग्राहियों को प्रतिदिन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए है। उन्होने सभी आंगनवाडी केंद्रों में बच्चों के लिए प्रतिदिन शाला पूर्व शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने और पोर्टल पर एंट्री करवाने के निर्देश भी दिए है।

नीमच में दीनदयाल रसोई का श्री जैन ने किया निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परियोजना अधिकारी शहरी विकास एवं डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन ने नीमच में संचालित दीनदयाल रसोई योजना अंतर्गत रसोई केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होने निरीक्षण दौरान दीनदयाल रसोई में कार्यरत कर्मचारियों को साफ-सफाई बरतने के निर्देश दिए और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने एवं भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। श्री जैन ने रसोई में भोजन कर रहे हितग्राहियों से चर्चा कर, भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। उन्होन भोजन बनाने वाले कर्मचारियों को स्वच्छता के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार कर हितग्राहियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बरखेड़ा पंथ में खड़ी दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल चोरी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना मल्हारगढ़ क्षेत्र अंतर्गत महू-नीमच हाईवे स्थित ग्राम बरखेड़ा पंथ के में खड़ी दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने एक माह बाद केस दर्ज किया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। फरियादी सलमान नीलगर निवासी नीलगर मोहल्ला वार्ड क्रमांक 30 खानपुरा, मंदसौर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह कुवैत में सेल्समैन का कार्य करता है। 16 जनवरी 2026 को वह तीन माह की छुट्टी लेकर घर आया, तब उसके पिता ने बताया कि 30 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7 बजे वे अपनी सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 14 एमटी 5096 से जावद जिला नीमच) से मंदसौर लौट रहे थे। महू-नीमच हाईवे पर ग्राम बरखेड़ा पंथ से पहले मिडियन कट के पास उनकी मोटरसाइकिल का दूसरी बाइक (क्रमांक एमपी 14 एमएन 5228) से एक्सीडेंट हो गया था। दोनों पक्षों में आपसी राजीनामा होने के कारण घायल अवस्था में उपचार हेतु मंदसौर चले गए और दोनों मोटरसाइकिलें घटना स्थल के पास ही खड़ी कर दी गईं। फरियादी के अनुसार 2 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 2 बजे उसका बड़ा बेटा शाहरूख रंगरेज मोटरसाइकिल लेने ग्राम बरखेड़ा पंथ पहुंचा, तो वहां मोटरसाइकिल नहीं मिली। आसपास क्षेत्र में काफी तलाश करने के बाद भी कोई सुराग नहीं लगा। आशंका जताई गई है कि अज्ञात बदमाश वाहन चोरी कर ले गया। पिता के चलने-फिरने में असमर्थ होने तथा काफी तलाश के बाद भी वाहन नहीं मिलने पर फरियादी ने थाना मल्हारगढ़ पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज किया।

सुनील को मिली रेडक्रास से 50 हजार की मदद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा मनासा क्षेत्र के कुण्डला निवासी सुनील मालवीय को दो छोटी बेटियों के पालन पोषण के लिए 50 हजार रूपये की तत्कालिक आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। आवेदक सुनील की पत्नि श्रीमती सुशीला की 13 नवम्बर 2025 को उदयपुर में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। आवेदक की छोटी बेटिया है और उसकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर होने पर कलेक्टर द्वारा आवेदक सुनील को दो बच्चियों की समुचित देखभाल एवं पालन पोषण के लिए रेडक्रास नीमच से 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत गई है।

रतलाम शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर समयबद्ध प्रतिबंध एक माह तक रहेगा प्रभावी

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आर टी ओ श्री जगदीश बिल्लौरे ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी की जिला स्तरीय बैठक में यातायात, जिला रतलाम द्वारा एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसमें रतलाम शहर अंतर्गत सभी श्रेणी के वाहनों की संख्या में वृद्धि होने के कारण रतलाम शहर की प्रमुख सड़कों पर अधिक यातायात दबाव बढ़ने को लेकर शहर में कुछ सड़कों/मार्गों को चिन्हित किया गया था, जिसमें प्रताप ब्रिज के नीचे ऑफिसर्स कॉलोनी से रेंजिंगपुरा, मोचीपुरा की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग, चार्टेड माता मंदिर चौराहे से बाजना बस स्टेण्ड की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग, सर स्वेदास चौक से शहर की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग, प्रताप ब्रिज के ऊपर से कलेक्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं शहर की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग, त्रिपोलिया गेट से चांदनी चौक की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग, मेडिकल कॉलेज तिराहा से राम मंदिर की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग उक्त सड़क/मार्ग अत्यंत व्यस्ततम प्रकृति के होने से हल्के एवं भारी वाहनों के कारण कई बार जाम की स्थिति निर्मित होती है।

लोकहित, लोक सुरक्षा तथा यातायात के सुचारू संचालन को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकार डॉ. शालिनी श्रीवास्तव के आदेशानुसार मोटर यान अधिनियम के तहत रतलाम शहर अंतर्गत उपरोक्त वर्णित मार्गो पर प्रातः 09:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक सभी प्रकार के भारी मालवाहक वाहनों का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रखा जाएगा। रतलाम से किसी अन्य स्थान पर जाने वाले भारी वाहन रतलाम बायपास रोड का उपयोग कर अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचेंगे तथा मन्दसौर-नीमच रोड से रतलाम पर चलने वाले भारी वाहन रतलाम बायपास मार्ग होते हुए अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचेंगे।

आवश्यक सेवाओं में संलग्न वाहनों दूध परिवहन वाहन, नगर पालिका की स्वच्छता सेवाओं में संलग्न वाहन, पुलिस वाहन, अग्निशमन (फायर ब्रिगेड) वाहन, जल प्रदाय हेतु पानी टैंकर, भारतीय सेना (आर्मी) के वाहन, विद्युत मंडल के कार्य में संलग्न वाहन, एल.पी.जी./ पेट्रोलियम पदार्थ परिवहन वाहन, कृषि उपज मंडी से सब्जी एवं कृषि उपज ले जाने वाले वाहन, यात्री बसें, समस्त शासकीय वाहन को उक्त प्रतिबंध से पूर्णतः मुक्त रखा जाता है।

वाइन शॉप पर प्रिंट रेट से अधिक वसूली का आरोप, देर रात विवाद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी में देर रात शराब दुकान पर प्रिंट रेट से अधिक राशि वसूलने का मामला सामने आया है। कृषि उपज मंडी के समीप स्थित वाइन शॉप पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली को लेकर विवाद की स्थिति बन गई, जिसके बाद डायल-112 को मौके पर बुलाना पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 फरवरी 2026 की रात्रि लगभग 11.15 बजे शैलेन्द्रसिंह अपने साथी जितेन्द्रसिंह व चंद्रपालसिंह के साथ उक्त शराब दुकान पर पहुंचे। शैलेन्द्र सिंह ने एमडी व्हिस्की का एक क्वार्टर खरीदा, जिस पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 201 रुपये अंकित था। शैलेन्द्रसिंह का आरोप है कि दुकान कर्मचारी ने उक्त क्वार्टर के बदले 210 रुपये वसूले। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उन्होंने प्रिंट रेट से अधिक राशि लेने पर आपत्ति जताई, तो कर्मचारी द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा गया कि लेना हो तो लो, नहीं तो यहां से जाओ। इस दौरान दुकान के लाइसेंसी महिपाल सिंह शक्तावत के भी मौके पर मौजूद होने का उल्लेख किया गया है, किंतु शिकायत के अनुसार उन्होंने कर्मचारी को नहीं रोका। विवाद बढ़ने पर फरियादी ने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर शिकायतकर्ता ने ऑनलाइन भुगतान की हिस्ट्री दिखाते हुए अधिक राशि वसूले जाने की बात कही। इसके पश्चात शैलेन्द्र सिंह द्वारा पुलिस चौकी पिपलियामंडी में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन में प्रार्थी ने अंकित मूल्य से अधिक राशि लेने एवं विरोध करने पर गाली-गलौज किए जाने का उल्लेख करते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। वहीं जांच में प्रिंट रेट से अधिक वसूली की पुष्टि होती है तो संबंधित के विरुद्ध आबकारी नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

बिना प्रिस्क्रिप्शन दवा बिक्री पर होगी कार्रवाई समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, समयावधि पत्रों, समाधान पोर्टल एवं अन्य विषयों पर विभाग वार समीक्षा कर विभाग प्रमुखों को आवश्यक निर्देश दिए गये । बैठक में जिला पचांयत सीईओ सुश्री वैशाली जैन, एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थें। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के कोई भी मेडिकल संचालक दवाइयों का विक्रय नहीं करे। इसके लिए एसडीएम एवं तहसीलदार सतत निगरानी रखे तथा बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवाई का विक्रय करते पाये जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में कृषि वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग एवं सहकारिता विभाग को शासन के निर्देशानुसार कार्ययोजना बना कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं में पात्र हितग्राहियों के ऋष्ट प्रकरण स्वीकृत कर वितरण करवाने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया ।

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई की जाएगी

गेहूं उपार्जन अंतर्गत तकनीकी समस्या को तुरंत दूर करने के दिए निर्देश, समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि गेहूं उपार्जन कार्य में आ रही तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही सत्यापन कार्य पटवारी एवं तहसीलदार द्वारा समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए गए कि सभी विभाग ए ग्रेड में बने रहें। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई की जाएगी। पीएचई विभाग को निर्देशित किया गया कि पेयजल निर्माण के पूर्ण कार्यों का तत्काल हैंडओवर किया जाए तथा शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। कृषि विभाग को प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में एग्री स्टेट की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए।

बैहपूर गौशाला में 20 फरवरी को सर्व समाज सामूहिक विवाह समारोह का मुख्यमंत्री को उज्जैन में दिया आमंत्रण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संत श्री रोटीराम जी महाराज गौशाला बैहपुर में सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा एवं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत द्वितीय वर्ष में 131 जोड़ों का विवाह 20 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें लगभग पचास हजार लोगों की उपस्थिति में आयोजन संपन्न होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव को आमंत्रित करने के लिए प्रदेश प्रवक्ता पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया व जनपद पंचायत मंदसौर अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उज्जैन पहुंचकर मुलाकात की व आमंत्रण पत्र सौंपा।

जिसमें सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष दशरथ दास बैरागी उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौर व कोषाध्यक्ष मोती सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। आमंत्रण प्राप्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पर्याप्त समय देते हुए मौखिक स्वीकृति प्रदान कर आने के लिए आश्वस्त किया है। यह आयोजन 20 फरवरी को होगा, जिसमें क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि व संतगण उपस्थित रहेंगे। गौ माता पूजन से आयोजन की शुरुआत होगी। विवाह समिति के अध्यक्ष दशरथ दास बैरागी व पूरी समिति, ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री से आग्रह किया। साथ ही यशपाल सिंह सिसौदिया ने आमंत्रण पत्र सौंपते हुए डॉ मोहन यादव से विस्तृत चर्चा की कि मालवांचल में होने वाले इतने बड़े भव्य आयोजन में सामान्य 8, पिछड़ा 47,अजा 49,अजजा 27, कुल 131 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे अतः आप पधारे व नवदंपत्तियों को शुभाशीष प्रदान करें। डॉ मोहन यादव ने जानकारी प्राप्त कर आयोजन की सराहना की। इस भव्य आयोजन में माता तुलसी विवाह के लिए सालिगराम ठाकुर जी की बारात लदूसा धाम से 1000 गाड़ियों के काफिले के साथ आएगी जो आकर्षण का केंद्र रहेगी।

उच्च जोखिम वाली सभी गर्भवती महिलाओं का चिंहाकन एवं प्रबंधन सुनिश्चित करें- श्री चंद्रा

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रत्येक गर्भवती महिला के सुरक्षित प्रसव की आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहे। शतप्रतिशत उच्च जोखिमपूर्ण गर्भवती महिलाओं का चिंहाकन कर उनका समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करें। यह कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर, सेक्टरवार प्रगति रिर्पोट प्रस्तुत करें। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला स्वास्थ्य समिति की सोमवार को आयोजित बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपस्थित शासकीय चिकित्सकों को दिए।

बैठक में श्री चंद्रा ने निर्देशित किया , कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रत्येक हितग्राही को उपलब्ध कराई जाए.इसके लिए महिलाओं का गर्भावस्था के प्रथम त्रैमास में पंजीयन सुनिश्चित करें। उन्होने कहा, कि हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उच्च जोखिम के लक्षणों के आधार पर महिलाओं का चिंहाकन कर, उनको आवश्यकतानुसार आयरन सुक्रोज इजेंक्शन एफसीएम इन्जेक्शन तथा ब्लड ट्रांसफ्यूजन कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उक्त रक्तचाप महिलाओं का चिंहाकन कर उसका प्रबंधन भी करे। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटील, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.आदित्य बारेड, डीएचओ डॉ. बी.एल.सिसोदिया, डॉ.रितेश बजाज, डीपीओ सुश्री अंकिता पंड्या उपस्थित थी।

बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने स्वास्थ्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों की सेक्टरवार समीक्षा की। तथा विगत बैठक के पश्चात कार्य में सुधार लाने वाले मेडिकल आफिसर की सराहना की गई तथा निम्न प्रदर्शन करने वाले चिकित्सकों, सीएचओ को कार्य में सुधार एवं प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अति उच्च जोखिम गर्भवती महिलओं का सीएचसी एवं सिविल हास्पीटल पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत परीक्षण आवश्यक रूप से करें।

बैठक में कलेक्टर ने सभी सेक्टर मेडिकल आफिसर को निर्देशित किया, कि जिला स्तर पर शासन के नियमानुसार सभी आवश्यक औषधियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। जिले की सभी संस्थाएं अपनी मांग अनुसार आवश्यक औषधियों की मांग पत्र भेजकर दवाईयां प्राप्त कर ले। सभी संस्थाओं में आवश्यक दवाईयां अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो। साथ ही दवाईयों वैक्सीन आदि की कोल्डचेन बनी रहे यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में आयोजित किए जा रहे नैत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद जांच शिविरों के सफल आयोजन की सराहना की।

वाटरशेड के तहत जल संचयन, नदी पुर्नजीवन की एक सार्थक पहल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के जनपद पंचायत मनासा में तिलसोई नदी जो कि आमद से होकर ग्राम पंचायत चिकलीब्लॉक गुजरथ, गणेशपुरा, के गाँव से होकर गुजरती हुई गांधी सागर में मिलती है, वर्षा ऋतु में बहते हुए जल को रोकने और संचित करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि योजना के माध्यम से जिले में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रयास किए जा रहे है। तिलसोई नदी के बहते हुए पानी को रोकने के लिए प्रधानमंत्री कृषि योजना 2.0 के तहत परियोजना क्रमांक 01 फुलपुरा में कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में वाटरशेड टीम द्वारा तिलसोई नदी को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया में सर्वप्रथम यह सुनिश्चित किया गया, कि आसपास के क्षेत्रों में जलभरण क्षमता बढ़ाई जाए। साथ ही पानी के वेग तथा मृदा के अपरदन को कम कर, भूजल स्तर में बढ़ोतरी की जाए। इस आशय की पूर्ति के लिए सर्वप्रथम कुंडालियां, दांता, भगौरी पंचायतों में लगभग 32 हेक्टेयर बंजर एवं ढाल युक्त भूमि में कंटूर ट्रैच का निर्माण किया गया। जिससे कि पानी के वेग तथा मिट्टी कटाव में कमी आई। कंटूर के आस पास वृक्षारोपण, बबूल एवं खेर इत्यादि के बीजों का छिड़काव किया गया। जिसके फलस्वरूप बंजर भूमि हरितिमा से आच्छादित हुई हैं। तिलसोई नदी की सहायक नदियों पर चेक डैम निर्माण होने से भूजल स्तर में सुधार हुआ। साथ ही पानी की लगातार आमद तिलसोई नदी में हुई, फलस्वरूप नदी में जल की मात्रा में बढ़ोतरी हुई है और ढोढर ब्लॉक, कुंडलियां, चिकली ब्लॉक से होते हुए कई ग्रामों के छोटे बडे लगभग 1500 किसानों को इसका प्रत्यक्ष रूप में लाभ मिलने से इन किसानों की आमदनी में इजाफा हुआ है।

जिले में 373 बोरी बधान एवं 510 खेत तालाब निर्माण के कार्य पूर्ण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में इस वर्ष 324 मां की बगियां का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। जिले में 373 बोरी बधान का निर्माण कर, जल स्त्रोतों से बहते हुए जल को रोकने का काम किया गया है। इससे जल स्तर में वृद्धि के साथ ही किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हुआ है। इस वर्ष जिले में 510 नये खेत तालबों का निर्माण भी किया गया है। यह जानकारी कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं, कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में जि.प.सीईओ.श्री अमन वैष्णव, कार्यपालन यंत्री आर.ई.एस.श्री बी.एल.कातिजा, सभी सहायक यंत्री जनपद सीईओ, उपयंत्री एवं जि.प.के परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में खेत तालाबों और अमृत सरोवरों के निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा में कलेक्टर ने निर्देश दिए,कि सभी जनपद सीईओ और उपयंत्री शेष सभी खेत तालाबों और अमृत सरोवरों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्यो को मार्च अंत तक पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने स्वीकृत सभी मां की बगियाओं के कार्य भी मार्च अंत तक पूर्ण करवाने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 1783 डगवेल रिचार्ज के कार्य पूर्ण किए गए है। शेष डग वेल रिचार्ज के कार्य भी 31 मार्च तक पूर्ण करवाने के निर्देश जनपद सीईओ और उपयंत्रियों को दिए गये। बैठक में बताया गया, कि आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 30 नये अमृत सरोवर निर्माण के कार्य चयनित किए गए है। इन कार्य की टी.एस.ए.एस.स्टीमेंट अभी से तैयार कर लिए जाए। जिससे, कि नवीन वित्तीय वर्ष प्रारंभ होते ही कार्य प्रारंभ किए जा सके। बैठक में कलेक्टर ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए नीमच एवं जावद जनपद को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 250-250 एवं मनासा जनपद को 400 खेत तालाब निर्माण के कार्य चिंहित कर कार्य प्रारंभ करवाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर ने अमृत सरोवर के कार्य की अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने और कार्य पूर्ण नहीं करवाने वाले उपयंत्रियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश भी जि.प. सीईओ को दिए। कलेक्टर ने गंगोत्री हरित परियोजना के तहत बोरखेडी नदी के उदगम स्थल पर 10 एक्कड शासकीय भूमि पर पौधारोपण के स्वीकृत प्रोजेक्ट पर 5 से 6 फीट बडे पौधे लगाने, पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने और अच्छे पौधो का चिंहाकन करने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी जनपद जावद के सीईओ को सौंपी है।

बैठक में स्वच्छता शनिवार के तहत ग्राम पंचायतों में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि जिले में मुख्य सड़कों पर स्थित ग्राम पंचायतों में प्राथमिकता से साफ-सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित करें और ग्रामीणों के सहयोग से गांव के प्रमुख स्थानों, सड़कों, चौराहों पर साफ-सफाई करवाएं। पी.एम.आवास योजना की समीक्षा में कलेक्टर ने वर्ष 2025-26 के स्वीकृत नवीन आवास के कार्यो में आवास स्वीकृति के साथ ही प्रथम किश्त जारी करने के निर्देश दिए। अब तक 8837 आवास निर्माण के लक्ष्य विरूद्ध 3007 आवास निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

असंगठित श्रमिक पीएम एसवाईएम में कराए पंजीयन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पी.एम.एस.वाय.एम.) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा देती हैं। 18 से 40 आयु के ऐसे श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार रूपये तक है और जो ईपीएफ एनपीएस या ईएसआईसी का लाभ नहीं ले रहे, वे नजदीकी सीएससी, ऑनलाईन केंद्र से पंजीयन करा सकते हैं। योजना में 55 से 200 रूपए तक मासिक अंशदान देना होता हैं, उतनी ही राशि केंद्र सरकार जमा करती हैं। 60 वर्ष की आयु पर हितग्राही को आजीवन 3 हजार रूपए प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। जिले के आंगनवाडी, आशा, कोटवार, सफाईकर्मी व दैनिक वेतनभोगी पात्र हैं।

सम्पादकीय

व्यापार समझौतों से आगे की चुनौतियां, आकर्षक दरों पर अच्छी गुणवत्ता वाला माल बनाना प्राथमिकता

दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं है जो व्यापार के बिना केवल आत्मनिर्भरता के बल पर आर्थिक महाशक्ति बना हो। आर्थिक इतिहासकार एंगस मैडिसन के अनुसार भारत भी व्यापार के बल पर आर्थिक महाशक्ति बना था। उसकी अर्थव्यवस्था विश्व की अर्थव्यवस्था के एक चौथाई से अधिक हो गई थी जिसके बल पर वह सोने की चिड़िया कहलाता था। आधुनिक युग में ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक हर देश व्यापार के बल पर ही आर्थिक महाशक्ति बना है और अब चीन भी उसी राह पर है।

उसने अमेरिका और यूरोप की मंडियों में धाक जमाने के बाद संरक्षणवाद की दीवारें खड़ी होने से पहले ही व्यापार समझौतों के द्वारा अपने माल के लिए नई मंडियां खोलना शुरू कर दिया था। चार साल पहले हुआ आरसीईपी या व्यापक क्षेत्रीय आर्थिक साझेदारी समझौता उसकी ही एक कड़ी थी, जिसमें चीन और जापान से लेकर न्यूजीलैंड तक फैले 15 देश शामिल थे।

मुक्त व्यापार समझौते आपसी व्यापार को बढ़ाने और आर्थिक महाशक्ति बनने की राह खोलते हैं। भारत ने भी यूरोप के साथ समझौता करके और अमेरिका के साथ उसकी रूपरेखा तय करके ऐसी ही राह खोली है। अमेरिका और यूरोप से पहले वह आसियान, जापान, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ओमान, मॉरीशस और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के चार सदस्य देशों से व्यापार समझौते कर चुका है।

खाड़ी सहयोग परिषद के साथ व्यापार समझौते से जुड़ी वार्ताएं चल रही हैं। इन सबके पूरा होने पर दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक जीडीपी के बाजार भारत के लिए खुल जाएंगे। अर्थव्यवस्था को 40 वर्षों तक संरक्षणवाद की दीवारों में कैद कर दिवालिया कर लेने वाले देश के लिए यह परिवर्तन कायाकल्प से कम नहीं है।

यह भी सच है कि व्यापार समझौते और बड़ी-बड़ी मंडियों में प्रवेश पाने भर से भी कोई देश व्यापारिक और आर्थिक महाशक्ति नहीं बन सकता। उसके लिए आकर्षक दरों पर अच्छी गुणवत्ता वाला माल बनाना और बेचना पड़ता है। लाइसेंस राज और बाबूशाही के शिकंजे खोलकर उद्योग लगाना सुगम बनाना पड़ता है। सरकारी और निजी क्षेत्रों में शोध, विकास और नवाचार बढ़ाने के साथ-साथ उन क्षेत्रों को बढ़ावा देना होता है, जिनमें देश दूसरों से आगे हो।

पूंजी को सुलभ बनाना और बुनियादी सुविधाओं को सुधारना होता है। इन्हीं उपायों से चीन ने ट्रंप की टैरिफ जंग में भी अपना व्यापार बढ़ाकर भारत की जीडीपी से डेढ़ गुना कर लिया है। आज विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी मात्र 3.5 प्रतिशत है जबकि चीन की लगभग 14 प्रतिशत। अपने स्वर्णिम युग के दिनों में विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत के आसपास थी।

बीते दिनों ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर की चीन यात्रा के दौरान एक ब्रिटिश साइकिल निर्माता से पूछा गया कि चीन और अमेरिका में कहां कारोबार करना अधिक सुगम है? उसने तपाक से जवाब दिया चीन में, जहां कुछ ही हफ्तों के भीतर कारोबार संभव है और व्यापार नीति को लेकर भी निश्चिंतता रहती है। भारत को भी बड़े पैमाने पर विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए कारोबारियों में इसी तरह का भरोसा पैदा करना होगा।

केंद्र के साथ राज्यों की सक्रिय और सकारात्मक भागीदारी के बिना यह संभव नहीं होगा, क्योंकि उद्योगों को पूंजी के अलावा जमीन, कर्मचारी, बिजली और बुनियादी ढांचे की जरूरत होती है, जो राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं जो निवेश आकर्षित करने लिए एक-दूसरे से होड़ करने के बजाय दिक्कतें खड़ी करने में लगे रहते हैं।

अन्यथा क्या कारण है कि तमिलनाडु का शहर तिरुपुर परिधान उद्योग का नया मैनचेस्टर बन सकता है, मगर कोलकाता और कानपुर वस्त्र उद्योग में अपने खोई चमक को फिर से हासिल नहीं कर पाते? बंगाल की आबादी वियतनाम के बराबर है, मगर जीडीपी उससे आधी है। बिहार की आबादी वियतनाम से सवा गुनी है और जीडीपी एक चौथाई है। विकास की दौड़ में यदि आप 20 साल लंबी लड़ाई से तबाह हुए देश की बराबरी भी नहीं कर सकते तो फिर क्या करेंगे?

व्यापार समझौते कर भारत ने अमेरिका, यूरोप, जापान और रूस जैसी विश्व की अमीर मंडियों के द्वार तो खुलवा लिए हैं, परंतु इनमें अपने माल की मांग बढ़ाने के लिए उसकी गुणवत्ता में निरंतर परिष्कार करना और उसे आकर्षक दामों पर बेचना होगा। उत्पादन का पैमाना बढ़ाए और शोध एवं विकास में निवेश किए बिना यह संभव नहीं हो सकेगा। चीन और वियतनाम शोध एवं विकास पर अपने बजट का 2.5 प्रतिशत से ऊपर खर्च करते हैं, जबकि भारत मात्र 0.65 प्रतिशत। ट्रंप की टैरिफ जंग से उठी संरक्षणवाद की लहर में रक्षा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता सबसे अहम हो गई है, जो शोध एवं विकास में भारी निवेश के बिना संभव नहीं।

आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए अब व्यापार बढ़ाने से ही काम नहीं चलेगा। भारत को एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों और इनके लिए आवश्यक ऊर्जा की तकनीक में भी आगे रहना होगा। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों ने भारत में एआई डाटा केंद्र बनाने के लिए लगभग 8,000 करोड़ डॉलर के निवेश का वादा किया है। इनमें एमेजोन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और इंटेल जैसे नाम शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों से लगातार घटते विदेशी निवेश से जूझती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यकीनन यह बहुत अच्छी खबर है। हालांकि इनके लिए जितनी बड़ी मात्रा में ऊर्जा चाहिए होगी, उसे पश्चिम के विकसित देश भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

डाटा केंद्रों और भारी ऊर्जा खपत वाले एआई मॉडल तैयार करने के लिए भारत को भी अपना ऊर्जा उत्पादन बढ़ाकर चीन के पैमाने पर लाना होगा जो इस समय अमेरिका से भी ढाई गुना बिजली पैदा कर रहा है। बड़े पैमाने पर ऊर्जा के लिए सौर, पवन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों का विकास करना होगा, ताकि देश की हवा भी सांस लेने लायक बनी रहे।

सत्ता, सेवा और समाज के त्रिकोण में हिंदुत्व की भूमिका

सौ वर्षों की यात्रा केवल समय की गणना नहीं होती, बल्कि वह विचारों की साधना, संघर्षों की तपस्या और आत्ममंथन की निरंतर प्रक्रिया होती है। हिंदुत्व की शताब्दी भी इसी ऐतिहासिक चेतना की प्रतीक है, जहां अतीत की स्मृतियां, वर्तमान की चुनौतियां और भविष्य की आकांक्षाएं एक-दूसरे में घुलकर नई दिशा रचती हैं। 27 सितंबर 1925 को नागपुर में केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा से जुड़ा एक व्यापक सांस्कृतिक आंदोलन बन चुका है। एक सदी बाद यह आंदोलन स्वयं से प्रश्न कर रहा है–क्या उसकी वैचारिक दिशा समय के अनुरूप विकसित हो पाई है, या उसे नए संदर्भों में पुनर्परिभाषित करना आवश्यक है? यह शताब्दी केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, पुनर्संयोजन और नवसृजन का ऐतिहासिक क्षण है, जहां हिंदुत्व अपनी नई पहचान को गढ़ने की प्रक्रिया में दिखाई देता है।

शताब्दी वर्ष में सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार इस वैचारिक परिवर्तन की धुरी बनकर उभरे हैं। उनके भाषणों में हिंदुत्व को संकीर्ण धार्मिक दायरों से मुक्त कर एक व्यापक, समावेशी और मानवीय सांस्कृतिक चेतना के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वे स्पष्ट करते हैं कि हिंदू होना किसी पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं, बल्कि वह एक सभ्यतागत स्वभाव है, जो भारत की विविधता को एक सूत्र में बांधता है। मुस्लिम, ईसाई या सिख–जो भी इस भूमि की साझा विरासत पर गर्व करता है, वह इस परंपरा का अभिन्न अंग है। यह दृष्टिकोण पुराने टकरावपूर्ण नैरेटिव से अलग एक नए संवादात्मक युग की घोषणा करता है, जहां सहअस्तित्व, सहयोग और सम्मान को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि युवा पीढ़ी इस विचारधारा से जुड़ाव महसूस कर रही है और इसे भविष्य की राह के रूप में देख रही है।

री-कैलिब्रेशन की यह प्रक्रिया तब और अधिक स्पष्ट होती है, जब संघ 'पंच परिवर्तन' जैसे अभियानों के माध्यम से सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों को केंद्र में लाता है। जब भागवत जी भीमराव अंबेडकर के करुणा, पवित्रता और अनुशासन के विचारों का उल्लेख करते हैं, तो हिंदुत्व लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों से जुड़ता हुआ दिखाई देता है। यह दृष्टि युवाओं को यह सिखाती है कि राष्ट्रवाद केवल भावनात्मक नारों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण की मांग करता है। आज की पीढ़ी इस सोच को डिजिटल मंचों, स्टार्टअप संस्कृति, स्वदेशी नवाचार और पर्यावरणीय आंदोलनों से जोड़ रही है।

परिणामस्वरूप, हिंदुत्व एक आधुनिक, सक्रिय और रचनात्मक पहचान के रूप में उभर रहा है, जो परंपरा और प्रगति के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। फिर भी, यह वैचारिक परिवर्तन बिना सवालों और शंकाओं के नहीं है। आलोचक लगातार पूछते हैं कि क्या यह बदलाव वास्तव में आत्ममंथन का परिणाम है, या केवल समय के अनुरूप अपनाई गई एक रणनीति? क्या हिंदुत्व अपने प्रारंभिक चिंतकों जैसे विनायक दामोदर सावरकर और एम. एस. गोलवलकर की वैचारिक परंपरा से सचमुच आगे निकल पाया है, या केवल उसकी भाषा और प्रस्तुति बदली गई है? इन जटिल प्रश्नों के बीच मोहन भागवत की संवाद, मेल-मिलाप और विश्वास की अपील विशेष महत्व रखती है। वे स्वीकार करते हैं कि इतिहास ने समाज को गहरे घाव दिए हैं, लेकिन उन्हें भरने का रास्ता टकराव नहीं, बल्कि आपसी समझ और धैर्य से होकर जाता है। यह स्पष्टता हिंदुत्व को एक आत्मविश्वासी, परिपक्व और जिम्मेदार विचारधारा के रूप में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होती है।

समाज में उभरते नए नैरेटिव इस परिवर्तन को और अधिक मजबूती प्रदान कर रहे हैं। आज हिंदुत्व धीरे-धीरे किसी एक जाति, वर्ग या समुदाय की पहचान से ऊपर उठकर सामाजिक एकता और सामूहिक चेतना का प्रतीक बनने की कोशिश कर रहा है। सेवा भारती, ग्राम विकास योजनाएं और शिक्षा अभियान इस दिशा में ठोस उदाहरण हैं, जहां सेवा को विचारधारा से जोड़ा गया है। युवा इन पहलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और राष्ट्र निर्माण को केवल राजनीतिक सत्ता तक सीमित नहीं रखते, बल्कि समाज के हर स्तर से जोड़कर देखते हैं। उनके लिए हिंदुत्व अब मंदिर-मस्जिद की बहसों से आगे बढ़कर रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी आत्मनिर्भरता का व्यापक मंच बन चुका है, जो इसे एक जीवंत सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देता है।

डिजिटल युग में यह विचारधारा और भी नए रूपों में सामने आ रही है। सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, ब्लॉग और ऑनलाइन अभियानों के माध्यम से युवा अपनी सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं। वे स्वदेशी उत्पादों, हरित ऊर्जा और भारतीय ज्ञान-परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़कर एक नए राष्ट्रवादी विमर्श का निर्माण कर रहे हैं। हालांकि, इसके साथ-साथ इस्लामोफोबिया, असहिष्णुता और जातीय श्रेष्ठता जैसे आरोप भी उभरते हैं, जो इस आंदोलन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। संघ नेतृत्व इन प्रवृत्तियों से स्वयं को अलग रखते हुए सेवा, अनुशासन और समावेश पर निरंतर जोर देता है। इससे यह संदेश जाता है कि पुनर्संयोजन केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं, बल्कि व्यवहार, सोच और सामाजिक आचरण में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए।

वैश्विक मंच पर हिंदुत्व को कई बार फार-राइट आंदोलन के चश्मे से देखा जाता है, किंतु भारत के भीतर यह स्वयं को राष्ट्र निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। शिक्षा में भारतीय दृष्टिकोण का पुनर्स्थापन, ग्रामोदय की अवधारणा, स्वदेशी अर्थव्यवस्था का विस्तार और सांस्कृतिक कूटनीति के नए प्रयोग इसके उभरते आयाम हैं। इन सभी प्रयासों के केंद्र में युवा शक्ति खड़ी है, जिनकी ऊर्जा, तकनीकी दक्षता और नवाचारशीलता इस विचारधारा को भविष्य की दिशा में ले जा रही है। यही वह संक्रमणकाल है, जो तय करेगा कि हिंदुत्व एक सीमित और बंद विचार-प्रणाली बनकर रह जाएगा या एक खुला, संवादशील और वैश्विक समाधान प्रस्तुत करने वाला व्यापक दर्शन के रूप में विकसित होगा।

हिंदुत्व की शताब्दी एक ऐतिहासिक मोड़ का प्रतीक बनकर सामने आती है। यह वह क्षण है, जहां अतीत की विरासत और भविष्य की आकांक्षाएं आमने-सामने खड़ी होकर नई दिशा की मांग कर रही हैं। यदि समावेश, संवाद और सेवा को वास्तव में इस विचारधारा का केंद्र बनाया गया, तो हिंदुत्व विविधता में एकता का सशक्त और प्रेरक उदाहरण बन सकता है। किंतु यदि पुराने विभाजन, संकीर्णता और अविश्वास हावी रहे, तो यह ऐतिहासिक अवसर हाथ से निकल भी सकता है।

युवाओं की भागीदारी, नेतृत्व क्षमता और वैचारिक परिपक्वता इस प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाएगी। संभवतः यही इस शताब्दी का सबसे बड़ा संदेश है–कि हिंदुत्व स्वयं को नए सिरे से गढ़ रहा है, और उसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह अपने पुनर्संयोजन को कितनी ईमानदारी, संवेदनशीलता और दूरदृष्टि के साथ अपनाता है।

-प्रो. आरके जैन

संतोषः परमं धनम-संतोष ही सबसे बड़ा धन है

संस्कृत साहित्य में यह बात कही गई है कि- संतोषः परमं धनम्, अर्थात संतोष मनुष्य का सबसे मूल्यवान धन है। इससे बड़ा धन दुनिया में कोई और नहीं है।इसका सीधा सा मतलब यह है कि जो हमारे पास है, उसमें प्रसन्न रहना ही सच्ची समृद्धि है। आज की तेज़ भागदौड़, तनाव और अवसाद भरी दुनिया में लोग अधिक से अधिक धन, सुख-सुविधाएँ और प्रतिष्ठा पाने के पीछे दौड़ रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि बाहरी संपत्ति हमें केवल थोड़े समय का सुख दे सकती है, स्थायी मानसिक शांति नहीं।पाठक जानते हैं कि मनुष्य की इच्छाएँ कभी समाप्त नहीं होतीं। एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी पैदा हो जाती है। यदि व्यक्ति केवल इच्छाओं के पीछे ही भागता रहे, तो वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। इसलिए कहा गया है कि जिसके पास बहुत धन है लेकिन संतोष नहीं, वह भी मन से गरीब ही रहता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति संतोषी है, वह सीमित साधनों में भी सुखी और शांत जीवन जी सकता है। संस्कृत में कहा गया है कि - यदृच्छालाभसन्तुष्टो द्वन्द्वातीतो विमत्सरः।समः सिद्धावसिद्धौ च कृत्वापि न निबध्यते॥ इसका तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति सहज प्राप्त वस्तु में संतुष्ट रहता है, ईर्ष्या से मुक्त होता है और सफलता-असफलता में समान रहता है, वह कर्म करते हुए भी बंधन में नहीं पड़ता। वास्तव में, संतोष का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य महत्वाकांक्षा छोड़ दे या प्रगति करना बंद कर दे। इसका सही अर्थ है- प्रयास करते हुए भी मन में लोभ, ईर्ष्या और असंतोष को स्थान न देना। संतोषी व्यक्ति दूसरों की सफलता देखकर जलता नहीं, बल्कि उनसे वह प्रेरणा लेता है। उसका जीवन सरल, संतुलित और तनावमुक्त होता है। यही कारण है कि संतोष मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है और मनुष्य मन को शांति भी देता है।वास्तव में संतोष का भाव व्यवहार से जुड़ा है- संतोषी व्यक्ति सबका प्रिय बनता है। इसीलिए संस्कृत में कहा गया -न कश्चित् कस्यचिद् मित्रं न कश्चित् कस्यचिद् रिपुः।व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा॥ संतोष मनुष्य को नैतिक और ईमानदार भी बनाता है। असंतोष ही वह कारण है, जिसके कारण व्यक्ति लालच में पड़कर गलत रास्ता अपनाता है। यदि व्यक्ति संतोषी हो, तो वह अनुचित तरीकों से धन कमाने की कोशिश नहीं करेगा। इस प्रकार संतोष समाज में नैतिकता और सदाचार को भी बढ़ावा देता है।संतोष का संबंध केवल धन या वस्तुओं से नहीं, बल्कि जीवन की परिस्थितियों से भी है। जीवन में कठिनाइयाँ और असफलताएँ आती हैं, लेकिन यदि व्यक्ति धैर्य और संतोष बनाए रखे, तो वह उन्हें आसानी से पार कर सकता है। संतोष मानसिक शक्ति देता है और निराशा से बचाता है। संतोषी व्यक्ति वर्तमान में जीना जानता है – वह न अतीत के पछतावे में उलझता है और न भविष्य की चिंता में, बल्कि वर्तमान क्षण का आनंद लेता है।इसके अलावा, संतोष का संबंध कृतज्ञता से भी है।

-संजीव ठाकुर

स्त्री शिक्षा,उत्थान और सुरक्षा गंभीर विमर्ष और मौजूदा आँकलन

किसी भी लोकतांत्रिक समाज की प्रगति का आँकलन उसकी आधी आबादी अर्थात स्त्रियों की स्थिति से किया जाता है और यह तथ्य आज केवल विचार नहीं बल्कि वैश्विक विकास सूचकांकों का आधार बन चुका है, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में स्त्री की स्थिति एक ओर उल्लेखनीय प्रगति का संकेत देती है तो दूसरी ओर गंभीर चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकृष्ट करती है।

स्त्री शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का आधार स्तंभ होती है, बीते कुछ दशकों में भारत में स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार देखने को मिला है, बालिका नामांकन दर में वृद्धि, माध्यमिक शिक्षा में लैंगिक अंतर में कमी और उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी ने सामाजिक संरचना को नया स्वरूप दिया है। विशेष रूप से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की उपस्थिति यह दर्शाती है कि शिक्षा स्त्री सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है, किंतु यह भी यथार्थ है कि ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में बालिकाओं की शिक्षा अब भी सामाजिक दबाव, घरेलू श्रम और बाल विवाह जैसी समस्याओं से प्रभावित है। वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में स्त्री की स्थिति आधुनिक भारत की स्त्री आज शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में पहले की तुलना में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही है, पंचायत से लेकर संसद तक उसकी भागीदारी बढ़ी है और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, इसके बावजूद घरेलू स्तर पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता, समान वेतन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे अब भी पूर्ण समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं, यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि कानूनी अधिकार और सामाजिक स्वीकृति के बीच अभी भी एक स्पष्ट अंतर विद्यमान है।

स्त्रियों के विरुद्ध अपराध चिंता का विषय है हाल के वर्षों में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के स्वरूप में भी बदलाव आया है, पारंपरिक अपराधों के साथ-साथ साइबर अपराध,ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल माध्यमों के दुरुपयोग से जुड़ी घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, दहेज से संबंधित मामले और सार्वजनिक स्थलों पर असुरक्षा की घटनाएँ यह संकेत देती हैं कि शहरीकरण और तकनीकी प्रगति के बावजूद सामाजिक मानसिकता में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है, यह स्थिति न केवल कानून व्यवस्था बल्कि सामाजिक चेतना के स्तर पर भी गंभीर आत्ममंथन की मांग करती है। कानूनी प्रावधान और प्रशासनिक दायित्व पर एक दृष्टि डालें तो भारत में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए सुदृढ़ कानूनी ढांचा उपलब्ध है, जिसमें घरेलू हिंसा निषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण कानून, दहेज निषेध अधिनियम तथा हाल के आपराधिक कानून संशोधन शामिल हैं, किंतु प्रशासनिक दृष्टि से चुनौती इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, त्वरित न्याय और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण की है, पुलिस, न्यायपालिका और स्थानीय प्रशासन के समन्वय के बिना केवल कानूनों का अस्तित्व पर्याप्त नहीं सिद्ध हो सकता। आर्थिक सहभागिता और विकास की अनिवार्यता – स्त्रियों की आर्थिक भागीदारी को राष्ट्रीय विकास की अनिवार्य शर्त के रूप में स्वीकार किया जा चुका है, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म वित्त योजनाओं, ग्रामीण उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान किए हैं, फिर भी श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है, जिसका कारण सामाजिक जिम्मेदारियों का असमान बोझ, कार्यस्थल पर सुरक्षा की कमी और अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की अधिकता है। मीडिया और सामाजिक दृष्टिकोण में मीडिया स्त्री की छवि निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, सकारात्मक उदाहरणों के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि स्त्री को संवेदनशीलता के साथ सम्मानजनक और संतुलित रूप में प्रस्तुत किया जाए, जिससे समाज में समानता और गरिमा का संदेश सुदृढ़ हो सके। भविष्य की दिशा और नीतिगत अपेक्षाएँ देखीं जाएं तो स्त्री की स्थिति में वास्तविक सुधार के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार को समग्र दृष्टिकोण से जोड़ना होगा, साथ ही सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन के लिए पुरुषों और बालकों को भी लैंगिक समानता के मूल्यों से जोड़ना अनिवार्य होगा, यह केवल महिला केंद्रित योजनाओं से नहीं बल्कि सामाजिक सहभागिता और प्रशासनिक संवेदनशीलता से संभव है।

स्त्री की स्थिति किसी एक वर्ग या समुदाय का विषय नहीं बल्कि राष्ट्र की सामाजिक परिपक्वता और लोकतांत्रिक गुणवत्ता का दर्पण है, जब तक स्त्रियाँ भयमुक्त वातावरण में शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में समान अवसर प्राप्त नहीं करेंगी तब तक समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा, इसलिए स्त्री सशक्तिकरण को नीतिगत प्राथमिकता के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में भी स्वीकार किया जाना समय की आवश्यकता है।

-संजय ठाकुर

एआई शिखर समिट, भविष्य पर केंद्रित एक व्यापक सम्मेलन

नई दिल्ली में शुरू हो रहे एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन की महत्ता केवल इसलिए नहीं है कि यह एक पांच दिवसीय वैश्विक आयोजन है। इसका महत्व इसलिए भी है, क्योंकि इसमें 15 से अधिक देशों के शासनाध्यक्षों के साथ 50 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल हिस्सा ले रहे हैं। विश्व भर के एआई विशेषज्ञ एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी इस सम्मेलन के आकर्षण को और बढ़ा रही है।

इस आयोजन के प्रति दिलचस्पी को इससे समझा जा सकता है कि दो लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। एक तरह से यह सम्मेलन जी 20 शिखर सम्मेलन से भी अधिक प्रभावशाली एवं विश्व का ध्यान अपनी ओर खींचने वाला हो सकता है। चूंकि यह भविष्य पर केंद्रित एक व्यापक सम्मेलन है, इसलिए यह आशा की जाती है कि इसके जरिये एआई को एक जिम्मेदार, टिकाऊ और समावेशी तकनीक के रूप में विकसित एवं विस्तारित करने पर सहमति बनेगी। ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि विश्व भर में एआई का प्रभाव और उसका बाजार तेजी से बढ़ रहा है। जीवन के हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ता हुआ दिख रहा है।

-धनंजय राजौरा

बंगाल का भविष्यः धर्म की लहर या प्रगति की राह?

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है।

बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रूवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रूवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-÷बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है÷-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रूवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल ÷कौन किसका प्रतिनिधि है÷ तक सीमित रह गया, तो ÷कौन क्या करेगा÷ का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है-या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है।

-ललित गर्ग

आत्मा का ज्ञान ही शाश्वत व सनातन है

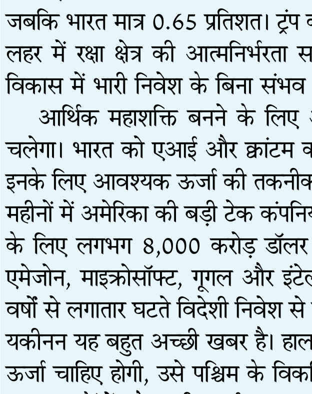

सहजयोग ध्यान द्वारा विश्व भर में अनेकानेक लोगों ने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राप्त किया है। सहजयोग पद्धति द्वारा लोगों के समाजिक व आध्यात्मिक उत्थान के भी अनेक उदाहरण उपलब्ध हैं ।

प्रश्न उठता है सहजयोग क्या है?

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रति- स्थापित एक सहज ध्यान पद्धति है जिसमें कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है। तत्पश्चात् नियमित ध्यान- धारणा द्वारा मानव शरीर में स्थिति चक्रों व नाड़ियों को संतुलन प्राप्त होता है। यही संतुलन हमें अर्थ अन्तर्परिवर्तन की ओर अग्रसर करता है। शनैः शनैः बिना किसी बाहरी दबाव व प्रेरणा के %हमारे विचारों, जीवन मूल्यों, में परिवर्तन आने लगता है, सही व गलत स्वयं ही सहज में हमारे समक्ष प्रकट होने लग?ता है। जैसे-जैसे हम सहजयोग में दृढ़ होते जाते हैं सारे प्रेम व आनन्द के मायने बदलते जाते हैं। माया जो कि जीवन में अभाव का दूसरा नाम है हमें प्रभावित नहीं कर पाती। आत्मा का ज्ञान ज्यों ही हमारी मध्य नाड़ी तंत्र को प्रकाशित करता है व हमारी शाश्वत शक्ति, कुण्डलिनी ब्रह्मरंध्र का भेदन करती है तो हमारा संबंध चैतन्य के रूप में प्रवाहित परम पिता की ऊर्जा से हो जाता है। अतः सहजयोग ऊर्जा का विज्ञान है। सहजयोग आत्मा के परमात्मा से लय होने की प्रक्रिया है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति इस प्रक्रिया का सह उत्पाद है। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने की कोई आयु नहीं होती और इसमें सांसारिक जीवन का त्याग नहीं होता है। यदि सहजयोग का परिचय बालपन में ही दिया जाए तो बच्चों का चहुंमुखी विकास सहज ही में हो जाता है। वे एकाग्रता, अनुशासन, तीव्र स्मरणशक्ति, व शैक्षणिक व व्यवसायिक सफलता को सहज ही में प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं। किसी भी परिस्थिति में अनैतिकता उन्हें छू भी नहीं पाती क्योंकि स्वयं पावित्र्य के प्रतीक श्री गणेश आत्मसाक्षात्कार के पश्चात् उनके भीतर जागृत हो जाते हैं।

ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस थाना सिविल लाईन की प्रभावी कार्यवाही

जुआ फड से 52 ताश के पत्तों की 1-1 गड्डी व नगदी सहित कुल 8,630 का मश्रुका जप्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा संगठित अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु सम्पूर्ण जिले में ÷ऑपरेशन प्रहार÷ प्रारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत अवैध जुआ/सटटे के अपराध में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 15.02.2026 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग जुआ खेल रहे है । जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक देवास सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी सिविल लाईन हितेश पाटिल के नेतृत्व में थाना सिविल लाईन पुलिस की 02 टीम गठित की गई । पुलिस टीमों के द्वारा घेराबंदी कर अवैध रूप से जुआ खेलते 02 स्थानों से कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर जुआ फड़ो से नगदी ? 8,630 का मश्रुका एवं ताश के पत्ते जप्त किये गये। आरोपीगणो के विरूद्ध थाना सिविल लाईन पर धारा 13 जुआ एक्ट में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया जाकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी

1. सद्दाम पिता रईश पठान उम्र 27 साल निवासी मस्जिद के पास मल्हार कालोनी देवास
2. आमिर शेख पिता शहजाद शेख उम्र 28 साल निवासी जौशीपुरा देवास
3. सनावर शेख पिता अनवर शेख उम्र 36 साल निवासी ग्राम लौहारी देवास
4. हातम पिता रहीम शेख उम्र 45 साल निवासी मकान न 08 फौजी नगर देवास
5. आबिद पिता वहीद शेख उम्र 23 साल निवासी खारी बावडी खेत जिला देवास
6. मुस्ताब शेख पिता खलील शेख उम्र 31 साल निवासी मल्हार कालोनी देवास
7. सादाब शेख पिता रफीक शेख उम्र 28 साल निवासी मल्हार कालोनी तोड़ी खेत देवास
8. शाहरुख खान पिता सईद खान उम्र 28 साल निवासी खारी बावडी देवास
9. मसीद खान पिता हेदर खान उम्र 40 साल निवासी राजाराम नगर देवास
10. असलम खा पिता बच्चू खा उम्र 40 साल निवासी ग्राम लौहारी देवास
11. वासीफ मिर्जा पिता न्याज मिर्जा उम्र 41 साल निवासी मुक्तिमार्ग मोमन टोला देवास
12. शाहरुख खान पिता सिकन्दर खान उम्र 29 साल निवासी सिल्वर कालोनी बालगढ़ देवास

जप्त मश्रुकाः- जुआ फड से 52 ताश के पत्तों की 01-01 गड्डी व नगदी सहित कुल 8,630 का मश्रुका जप्त ।

सराहनीय कार्यः- उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी सिविल लाईन निरीक्षक श्री हितेश पाटिल,सउनि कमलपुरी गोस्वामी, प्रआर पवन पटेल, घनश्याम अर्जने, आर अरूण चावड़ा,राजाराम,गबरूददीन,हितेश कुशवाह एवं गौरव पिरोनिया थाना सिविल लाईन देवास की सराहनीय भूमिका रही।

उल्लेखनीय है कि देवास पुलिस द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत यह कार्यवाही की गई है ।

डायवर्सन टैक्स जमा नहीं करने पर बावडिया में भूमि कुर्क की गई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसीलदार नगर देवास श्रीमती सपना शर्मा द्वारा भूमि स्वामी विकास पिता टीकमचंद अग्रवाल निवासी इंदौर के द्वारा ग्राम बावडिया में डायवर्सन टैक्स जमा नहीं करने पर भूमि कुर्क करने की कार्यवाही की गई है। उन्?होंने बताया कि सर्वे क्रमांक 289/1/1 एवं 252/1/1 एवं देवास जूनियर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 793, 820/3 , 820/4 , 821/2 , 822/3, 824/2 और 825/3 पर बकाया डायवर्सन टैक्स जमा नहीं करने पर भूमि को कुर्क करके बोर्ड लगाया गया साथ ही उक्त भूमियों पर अब किसी भी प्रकार का संव्यवहार अवैध होगा। कार्यवाही में राजस्व निरीक्षक लखन पुरबिया एवं हल्का पटवारी दीपिका बोरीवाल सहित अन्य राजस्व अमला साथ मौजूद था।

कलेक्टर ने मोबाइल क्लिनिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बागली विकासखंड में परिवार एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल क्लिनिक सेवा का शुभारम्भ कर कलेक्टर कार्यालय से मोबाइल क्लिनिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके माध्यम से बागली ब्लॉक के 55 दूरस्थ और जरूरतमंद आदिवासी गाँवों में निःशुल्क प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य परामर्श और दवा वितरण की सुविधा ग्रामीणों को उनके गाँव में ही उपलब्ध होगी। मोबाइल क्लिनिक प्रतिदिन 4 से 5 गाँवों में जाकर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों की जाँच करेगी और निःशुल्क दवाइयाँ व परामर्श देगी। गंभीर रोगियों को आवश्यकता अनुसार देवास, इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, दिल्ली एम्स जैसे सरकारी अस्पतालों में रेफर किया जाएगा तथा संस्था द्वारा उनके उपचार की व्यवस्था भी कराई जाएगी।

समयावधि पत्रों व सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की आयुक्त ने की समीक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम बैठक हाल में प्रति सप्ताह आहूत की जाने वाली समयावधि पत्रों की समीक्षा के अन्तर्गत सोमवार 16 फरवरी को आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा निगम अधिकारियों के साथ समयावधि पत्रों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में आयुक्त ने स्वनिधि से समृद्धि, संबल योजना, कर्मकार कल्याण योजना से संबंधित जानकारी तथा पीएम स्वनिधि अन्तर्गत विक्रेताओं को क्रेडिट कार्ड प्रदान किये जाने संबंधी में जानकारी लेते हुए क्रेडिट र्काड पर फोकस करने हेतु निर्देश दिये। ई केवाईसी एवं वेरिफिकेशन तथा नवीन आवेदनों की जानकारी सामाजिक सुरक्षा पेंशन अधिकारी से ली तथा ई केवायसी पर ध्यान आकर्षण करते हुए लक्ष्य पूर्ति करने हेतु कहा। आयुक्त ने आवारा मवेशी/आवारा श्वानों से संबंधित शिकायतों पर चर्चा कर आवारा मवेशियों एवं आवारा श्वानों को पकड़ने के निर्देश दिये। समस्त उपयंत्रियों को वार्डवार बिल्डिंग परमीशन से संबंधित कम्पाउंडिंग के दिये लक्ष्य की पूर्ति नही होने से आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त की। कायाकल्प योजनान्तर्गत किये गये निर्माण कार्यो के सभी उपयंत्रियों को सूचना पत्र देते हुए कार्यो मे सुधार की चेतावनी दी तथा सीवरेज कनेक्शनों का दिया लक्ष्य, वार्ड उपयंत्रियों के द्वारा लक्ष्य अनुरूप वसुली नही आने पर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्य मे सुधार लाने हेतु कहा। वृहद वृक्षारोपण के तहत लगाए गये पौधों को जीवित रखने के लिए पानी देना आवश्यक है। जिसमें समय पर पानी नही मिलने से मृत पौधों की संख्या ज्यादा होने से सहायक यंत्री जगदीश वर्मा को सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। कर्मचारी लंबित पेंशन प्रकरण से संबंधित जानकारी एवं आगामी 2 माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की जानकारी लेते हुऐ उनके पेंशन प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिये। एबीपीएस पर बिल्डिंग परमिशन के कितने प्रकरण लंबित हैं क्यों लंबित हैं जानकारी सहित कारण बताने हेतु संबंधित अधिकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में अधिवक्ता न्यायालयीन कार्य से रहे विरत, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की उठी जोरदार मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के आव्हान पर जिला अभिभाषक संघ, देवास ने 16 फरवरी को न्यायालयीन कार्य से विरत रहकर प्रतिवाद दिवस मनाया। संघ जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने बताया कि यह निर्णय शिवपुरी जिले के करेरा क्षेत्र के अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की 14 फरवरी 2026 को अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारकर की गई निर्मम हत्या के विरोध में लिया गया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचर प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। सचिव अतुल कुमार पंड्या ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि अधिवक्ता इस जघन्य घटना की घोर निंदा करते है। प्रदेश में लगातार अधिवक्ताओं पर हमले हो रहे हैं, जिससे विधि व्यवसाय से जुड़े लोगों में असुरक्षा की भावना व्याप्त है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि दिनदहाड़े अधिवक्ता की हत्या होना कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

संघ ने यह भी उल्लेख किया कि इससे पूर्व डबरा के अधिवक्ता श्री चंद्रभान सिंह मीना तथा देवास के अधिवक्ता श्री विष्णु अग्रवाल सहित अन्य जिलों में भी अधिवक्ताओं पर हमले हो चुके हैं। इन घटनाओं के कारण प्रदेश भर के अधिवक्ताओं में रोष और आक्रोश का वातावरण बना हुआ है। जिला अभिभाषक संघ देवास ने कहा कि म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद, जबलपुर लंबे समय से अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए राज्य शासन से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग कर रही है, किंतु अब तक इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। संघ का कहना है कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष कानून की तत्काल आवश्यकता है। अधिवक्ताओं ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानून लागू किया जाए। प्रतिवाद दिवस के तहत अधिवक्ताओं ने न्यायालयीन कार्य से पूर्णतः विरत रहकर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध जताया। इस दौरान संघ कोषाध्यक्ष दीपेन्द्रसिंह तोमर, पुस्तकालय सचिव श्वेतांक राज शुक्ला, संघ महिला उपाध्यक्ष गीता शर्मा एवं उपाध्यक्ष पंकज पंड्या सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभिभाषक उपस्थित रहे।

उज्जैन-मक्सी रोड पर ट्रैक्टर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी थाना क्षेत्र में रविवार रात सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना उज्जैन-मक्सी रोड पर स्थित रेलवे फाटक के पास रात करीब 10 से 11 बजे के बीच हुई। एक ट्रैक्टर ने बाइक सवार बुजुर्ग को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायल बुजुर्ग को तत्काल शाजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मक्सी निवासी तेजाराम (50) के रूप में हुई है।

जिले के किसान गेहूं उपार्जन के लिए 7 मार्च तक कराये पंजीयन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कार्य 07 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। जिले में समिति स्तरीय 86 पंजीयन केन्द्र (देवास-10, सोनकच्छ-11, टोंकखुर्द-06, बागली-06, उदयनगर-04, हाटपिपल्या-06, कन्नौद-12, सतवास-12, खातेगांव-19) स्थापित किये गये है। जिन पर किसान पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इन केन्द्रों पर निःशुल्क किसान पंजीयन की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त किसान जनपद पंचायत कार्यालयों/तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर भी किसान निःशुल्क पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन नीति अनुसार एम.पी.ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र, निजी व्यक्तियों द्वारा साईबर कैफे पर किसान सशुल्क पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन हेतु निर्धारित शुल्क 50 रूपये से अधिक नहीं होगा। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि नवीन पंजीयन के समय किसानो का आधार नम्बर, समग्र परिवार आई.डी. तथा स्वयं का मोबाईल नम्बर, भूमि खाते-खसरा, ऋण पुस्तिका, वनाधिकार पट्टे आदि की प्रति तथा भूमि स्वयं के नाम पर न होने पर भू-स्वामी के साथ निर्धारित प्रारूप में सिकमी/बटाई अनुबंध की प्रति। पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराना होगा। वनाधिकार पट्टधारी किसानों को वन पट्टा एवं सिकमी/बटाईदार किसानों को सिकमी/बटाई अनुबंध 02 फरवरी 2026 के पूर्व की अवधि का पंजीकृत होने पर ही मान्य किया जायेगा।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसान पंजीयन कार्य के पर्यवेक्षण, हेल्पलाइन, पंजीयन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण, पंजीयन संबंधी समस्त विवादों के निराकरण एवं अन्य विषयों पर निर्णय लेने के लिए जिला स्तर एवं अनुविभाग स्तर पर निरीक्षण एवं निगरानी समिति का गठन किया गया है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए निर्धारित पंजीयन केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने एवं कठिनाईयों के निराकरण के लिए जिला स्तर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, देवास में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नम्बर 07272-222287 है तथा कन्ट्रोल रूम के प्रभारी श्री मुकेश शर्मा, सहायक एकाउंटेन्ट, मोबाईल नंबर 97559-29350 को नियुक्त किया गया है। किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक खाते में किया जायेगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। आधार से खाता, मोबाईल नम्बर लिंक करने में पोस्ट आफिस के माध्यम से कराया जा सकता है। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी।

एक ही समय पर मुस्लिम समाज जन खोलेंगे रोजा

रमज़ान की समय सारिणी और कैलेंडर का हुआ विमोचन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ईदगाह रोड़ स्थित मस्जिद बैतूल हम्द में पवित्र माह रमज़ान की तैयारियों को लेकर अंजुमन कमेटी की मीटिंग का आयोजन कुरआन ए पाक की तिलावत से हुआ, जहां उलेमाओं और वरिष्ठजनों ने सेहरी व इफ़्तार की समय सारिणी के साथ वर्ष 2026-27 के कैलेंडर का विमोचन कर शहर और आसपास की मस्जिदों में सेहरी और इफ़्तार का एक ही समय रखने का आव्हान किया।

रमज़ान की तैयारियों के बीच मस्जिद बैतूल हम्द से वर्ष 2026-27 का कैलेंडर तथा सहरी-इफ्तार की समय सारिणी जारी की गई। अंजुमन कमेटी के सदर हाजी नईम कुरैशी ने बताया कि चांद दिखने पर रमज़ान का आगाज 19 या 20 फरवरी से हो सकता है। 18 फरवरी को चांद देखने का एहतमाम किया जाएगा। यदि उसी दिन चांद नजर आ गया या शरई गवाही मिल गई तो उसी रात से नमाज़ ए तरावीह शुरू हो जाएगी और 19 फरवरी को पहला रोज़ा रखा जाएगा। अन्यथा 20 फरवरी से रोजे आरंभ होंगे। रमज़ान को लेकर मस्जिदों, दरगाहों, खानकाहों, मदरसों और घरों में तैयारी चल रहा है। तरावीह की नमाज़ के लिए हाफिजों की नियुक्ति भी की जा रही है। अंजुमन कमेटी की जंत्री के साथ कैलेंडर में पूरे वर्ष के प्रमुख मुस्लिम त्योहारों और देशभर में होने वाले उर्स की तिथियां भी दर्ज हैं। कैलेंडर में रोजा और इफ्तार की दुआ, सदका ए फित्र, तरावीह और रोजे से जुड़े अहम मसलों की जानकारी भी दी गई है। काज़ी जनाब एहसान उल्ला साहब ने समाजजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अंजुमन कमेटी ने स्थानीय समय के मुताबिक़ उलेमाओं से तस्दीक़ की हुई जंत्री का प्रकाशन किया है। बैठक को जमीअत उलेमा हिन्द के ज़िला सदर जनाब आलिम हाजी मो. अफ़ज़ल, तब्लीग़ जमात के अमीर जनाब हाफ़िज़ ग़फ्फार, मिर्ज़ा सलीम बेग, अंजुमन कमेटी के सदर हाजी नईम कुरैशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर शहर काज़ी जनाब मोहसिन उल्ला साहब, नायब काज़ी रेहमत उल्ला साहब, अंजुमन कमेटी के कोषाध्यक्ष जनाब हाजी इब्राहिम पठान, सरपरस्त जनाब सैयद साजिद अली, अंजुमन कमेटी उपाध्यक्ष जनाब हाजी गफ्फार मंसूरी, जनाब इरशाद खांन, मंसूरी, जनाब जुनैद एहमद मंसूरी, सचिव मूसा आज़म खांन, सह सचिव जनाब एजाज़ बबलू कुरैशी, हाफ़िज़ अहद साहब, मोहर्रम कमेटी सदर जनाब इमरान खरखरे, फैज़ आलम आदि उपस्थित थे।

वकील की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में वकीलों पर लगातार हो रहे हमलों के विरोध में सोमवार को शाजापुर जिला अभिभाषक संघ ने आक्रोश जताया। वकीलों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम तहसीलदार सुनील पाटिल को ज्ञापन दिया। इस दौरान वकीलों ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को तुरंत लागू करने की मांग की। दरअसल शिवपुरी के करैरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की गोली मारकर की गई हत्या की घटना से शाजापुर के वकीलों में भारी आक्रोश है। विरोध स्वरूप 16 फरवरी को जिले के सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्यों से विरत रहे और न्यायालय में पैरवी नहीं की। वकीलों का कहना है कि डबरा सहित अन्य जिलों में भी वकीलों पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे पूरे समुदाय में असुरक्षा का माहौल है। इस दौरान ज्ञापन के माध्यम से जिला अभिभाषक संघ ने राज्य सरकार से मांग की है कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। वकीलों का कहना है कि वे लंबे समय से इस कानून की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने और वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

बहन ससुराल न भेजने पर हुआ विवाद, साले ने जीजा पर किया धारदार हथियार से हमला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम भरड़ में एक साले ने अपने जीजा पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। हालांकि मामले में किसी भी पक्ष ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

घटना सोमवार दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच भरड़ गांव के शिव मंदिर के पास हुई। घायल देवास जिला निवासी सुनील नुक्ते के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्राम भरड़ आए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह घर लौट रहे थे तभी उनके साले जितेंद्र ने रास्ते में रोककर उन पर हमला कर दिया। हमले में सुनील के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। सुनील के अनुसार उनकी शादी 25 अप्रैल 2025 को ग्राम पिपलिया इंदौर गांव में हुई थी। शादी के बाद से ही साला जितेंद्र इस बात को लेकर विवाद कर रहा था कि उसकी बहन सुनील के साथ ससुराल नहीं जाएगी। पारिवारिक विवादों के चलते पहले भी इस बात को लेकर गाली-गलौज और झगड़े होते रहे थे। सोमवार को मौका पाकर जितेंद्र ने सुनील पर हमला कर दिया। घायल सुनील को उनके छोटे साले और पत्नी की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

फिर जंगली जानवर ने किया शिकार का प्रयास, ग्रामीण बता रहे तेंदुआ

विभाग अब भी लकड़बग्गा-कुत्ता बताकर कर रहा टालमटोल, ग्रामीणों में नाराजगी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सलसलाई थाना क्षेत्र के ग्राम घंसौदा में सोमवार को एक जंगली जानवर ने खेत में बंधी भैंस और उसके बछड़े पर हमला कर एक बार फिर गांव में दहशत फैला दी हैं। इस हमले में दोनों मवेशी बुरी तरह घायल हो गए हैं, जिससे इलाके के ग्रामीणों में भारी डर और चिंता का माहौल है।

सरपंच राजेंद्र सिंह राजपूत ने जानकारी दी कि गांव में जंगली जानवर के हमले का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 3 फरवरी को भी एक काले हिरण का शिकार हुआ था, जिसके पैरों के निशान (पगमार्क) भी मिले थे। इसके बाद 10 फरवरी को सलसलाई के जंगलों में एक हिरण और उसके बच्चे पर हमला हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि अब यह जानवर पालतू मवेशियों को भी अपना शिकार बनाने लगा है।

वन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल- ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का दावा है कि उन्होंने इलाके में तेंदुआ देखा है, लेकिन विभाग की टीम इसे लकड़बग्घा या कुत्ता बताकर बात टाल देती है। ग्रामीणों का गुस्सा इस बात को लेकर है कि बार-बार जानकारी देने के बाद भी विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इस मामले में डिप्टी रेंजर ललित उपाध्याय का कहना है कि सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेज दिया गया है। सरपंच की मादा तेंदुआ देखे जाने की बात पर विभाग अब पिंजरा लगाने की तैयारी कर रहा है।

ग्रामीण रहें सतर्क- सलसलाई थाना प्रभारी जनक सिंह रावत ने बताया कि उनके पास आधिकारिक सूचना तो नहीं है, लेकिन उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर ग्रामीणों को सावधान रहने को कहा है। जंगली जानवर की मौजूदगी को देखते हुए ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि रात के समय अकेले खेत या सुनसान रास्तों पर न जाएं। अपने पालतू जानवरों को सुरक्षित और बंद स्थानों पर बांधें। किसी भी संदिग्ध जानवर के दिखने पर तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचित करें।

टैक्स भर दिया, अनुमति मिल गई, नहीं मिला नल कनेक्शन

पानी के लिए दर-दर भटक रहा पीड़ित का परिवार

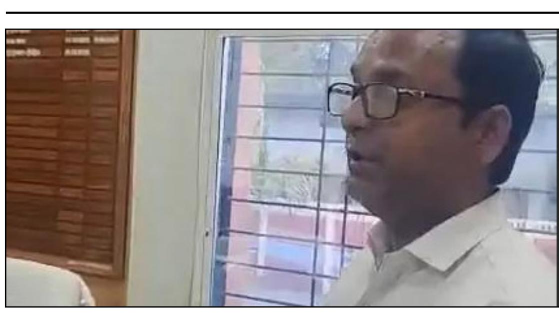

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 28 स्थित दुपाड़ा रोड निवासी एक व्यक्ति पिछले एक साल से नल कनेक्शन के लिए दर-दर भटक रहा है। उसने टैक्स भर दिया, परमिशन भी मिल गई। लेकिन एक साल पहले की गई प्रक्रिया के बाद भी उसे अब तक नल कनेक्शन नहीं दिया गया है। जिसके लिए वह कई बार नपा के चक्कर काट चुका है। कनेक्शन न होने के कारण उनके परिवार को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 28 स्थित दुपाड़ा रोड पर सरस्वती विद्या मंदिर के पीछे रहने वाले अधिवक्ता प्रमोद कुशवाह बीते एक वर्ष से नल कनेक्शन के लिए नगर पालिका के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने मकान निर्माण से पहले नगर पालिका से विधिवत अनुमति ली थी और हाउस टैक्स, संपत्ति कर और विकास शुल्क सहित सभी आवश्यक शुल्क जमा किए थे। निर्माण पूरा होने के बाद 31 जनवरी 2025 को रसीद क्रमांक 39 के साथ नल कनेक्शन के लिए आवेदन दिया गया था, लेकिन अब तक उन्हें कनेक्शन नहीं मिला है। कुशवाह ने अपनी समस्या के समाधान के लिए 24 फरवरी, 4 मार्च और 10 मार्च 2025 को सीएमओ और कलेक्टर को भी लिखित आवेदन दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि नगर पालिका ने अनुमति और शुल्क लेने के बावजूद अब उनके मकान को अवैध कालोनी बताकर कनेक्शन देने से इनकार कर रही है। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है जिसमें वे सीएमओ कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए दिख रहे हैं।

न्यायिक दायित्व निभाते समय अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की दिन-दहाड़े गोली मारकर हत्या

एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग को लेकर अधिवक्ता न्यायालयीन कार्य से विरत

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जिला शिवपुरी के करैत क्षेत्र में अधिवक्ता श्री संजय कुमार सक्सेना की दिनांक 14 फरवरी 2026 को दिन-दहाड़े गोली मारकर की गई निर्मम हत्या की घटना से संपूर्ण प्रदेश का अधिवक्ता समाज स्तब्ध, व्यथित एवं आक्रोशित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वे अपने न्यायिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे थे, उसी दौरान आपराधिक तत्वों द्वारा उन्हें निशाना बनाया गया। इस जघन्य कृत्य को अभिभाषक संघ बड़नगर ने न्याय व्यवस्था एवं विधि के शासन पर सीधा एवं गंभीर प्रहार करार दिया है।

अभिभाषक संघ बड़नगर, जिला उज्जैन द्वारा इस अमानवीय घटना की घोर निंदा करते हुए कहा गया कि यह केवल एक अधिवक्ता की हत्या नहीं, बल्कि न्याय की रक्षा एवं संवैधानिक मूल्यों की संरक्षा करने वाले वर्ग की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। यदि अधिवक्ता ही सुरक्षित नहीं रहेंगे, तो आमजन की न्याय तक सुगम पहुँच भी बाधित होगी। विगत वर्षों में अधिवक्ताओं पर प्राणघातक हमलों की पुनरावृत्ति ने अधिवक्ता समुदाय में असुरक्षा एवं रोष की भावना को और अधिक गहरा किया है।

घटना के विरोध स्वरूप सोमवार को अभिभाषक संघ बड़नगर के समस्त अधिवक्ता न्यायालयीन कार्य से पूर्णतः विरत रहे।

अभिभाषक संघ द्वारा मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन प्रेषित कर अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट को शीघ्र प्रभाव से लागू किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन का वाचन संघ के सचिव मयंक यादव द्वारा किया गया। तत्पश्चात उक्त ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बड़नगर के कार्यालय में विधिवत रूप से प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के समस्त वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता व संघ कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे और एकजुटता के साथ अपनी मांगों का समर्थन किया।

अभिभाषक संघ के अध्यक्ष करण राठौड़ ने कहा कि यदि समय रहते अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए ठोस एवं प्रभावी कानून लागू नहीं किया गया, तो अधिवक्ता समुदाय व्यापक एवं चरणबद्ध आंदोलन हेतु बाध्य होगा। अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था का अभिन्न स्तंभ है, जिसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य की प्राथमिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है।उपरोक्त संबंध में जानकारी संघ मीडिया प्रभारी दिलनवाज खान द्वारा प्रदान की गई।

किसान कल्याण वर्ष का किसान कल्याण वर्ष का पहला प्रदेश स्तरीय किसान सम्मेलन 18 फरवरी को कुलैथ में

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 को प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष का पहला राज्य स्तरीय विशाल किसान सम्मेलन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 18 फरवरी को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में आयोजित होगा। प्रस्ताविक कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्राम कुलैथ में आयोजित होने जा रहे किसान सम्मेलन से मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत सिंगल क्लिक के जरिए प्रदेश भर के किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषि प्रदर्शनी एवं स्थानीय किसानों द्वारा आयोजित पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ का अवलोकन करेंगे और कन्हैया लोकगीतों का आनंद लेंगे। विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को कुलैथ पहुँचकर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह भी उनके साथ थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि सभी अधिकारी कार्यक्रम से संबंधित दायित्वों का गंभीरता के साथ निर्वहन करें।

साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसानों सहित कार्यक्रम में भाग लेने आ रहे नागरिकों को असुविधा न हो। कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने हैलीपेड, मुख्य मंच, प्रदर्शनी स्थल व किसानों की बैठक व्यवस्था व पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ स्थल इत्यादि का जायजा लिया। साथ ही निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं को इस प्रकार से अंतिम रूप दें, जिससे कृषकगण सुविधाजनक तरीके से निर्धारित स्थल पर पहुँच सकें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर पेयजल की भी पुख्ता व्यवस्था की जाए। इस मौके पर जिला पंचायत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सुबह से देर रात शिव मंदिरों में भोले के जयकारे गूंजे

कही भजन संध्या तो कहीं आकर्षक श्रृंगार, तो कहीं निकली बारात

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पव पर नगर के विभिन्न शिव मंदिर में सुबह से देर रात तक भोले की जयकारे गूंजते रहे । इस अवसर पर विविध धार्मिक आयोजन, अनुष्ठान ,रुद्राभिषेक के अलावा कहीं पर भजन संध्या तो कहीं पर भगवान का आकर्षक श्रंगार किया गया वहीं खिचड़ी का और खीर आदि की पसादी वितरित की गई। विभिन्न मंदिरों में भोलेनाथ के आकर्षक श्रंगार ने लोगों का मनमोहन लिया पत्रकार कॉलोनी स्थित श्री कैदारेश्वर महादेव मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया ।जिसमें रितेश शर्मा ,लखन गिरी गोस्वामी पुष्कर खत्री नैतिक शर्मा रवि डोडिया, दीपक पांडे ,अशोक मकवाना ,ने सुरताल के साथ भजन संध्या की प्रस्तुति दी तथा भोले की सवारी बम बम भोला जैसे भजनों से लोगों को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया ।वहीं इसी मंदिर से भगवान शिव की बारात निकाली गई ,व्यास कालोनी में नागरिकों ने भगवान की बारात की अगवानी की ।

इसी तरह बडनगर से 18 किलोमीटर दूर बिलकेश्वर महादेव मंदिर में भी भगवान का आकर्षक श्रंगार किया गया द्यवहीं बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में भी भगवान के आकर्षक श्रंगार ने लोगों का मनमोहन लिया द्यतथा लोगों ने खिचड़ी और अन्य प्रसादी का लाभ लिया।

स्वरोजगार ऋण योजनाओं के प्रकरणों में ऋण वितरण में गति लायें

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह स्वरोजगार योजनाओं के प्रेषित प्रकरणों में स्वीकृति और ऋण वितरण में गति लाने के निर्देश बैंकों के अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह आज सोमवार को जिला साख समन्वय समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैंकर्स को अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के युवाओं के लिये संचालित स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों में ऋण वितरण को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई इस बैठक में ऐसे आवेदकों को भी बुलाया गया था स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत जिनके प्रकरण बैंकों को प्रेषित किये गये हैं और लंबे समय से लंबित हैं। इन आवेदकों से उनकी कठिनाइयों की जानकारी ली गई और बैंकर्स को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये गये। जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, लीड बैंक अधिकारी दिवाकर ठाकुर एवं स्वरोजगार योजनाओं से सभी विभागों के अधिकारी इस बैठक में मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना तथा अंत्यावसायी सहकारी समिति के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये संचालित डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुंडा एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजनाओं में बैंकवार भेजे गये प्रकरणों, स्वीकृत प्रकरणों और स्वीकृत प्रकरणों में ऋण वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बैठक में बैंक अधिकारियों से कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के तहत भेजे गये प्रकरणों की उन्हें नियमित तौर पर समीक्षा करनी होगी और लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण में गति लानी होगी।

महाशिवरात्रि को महिलाओं ने भजनो से भोले बाबा की आराधना

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर हिंगलाज माता मंदिर में भोले बाबा को बिल्व पत्र,, धतूरा एवं आंकड़े का फूल चढ़ाकर विधि विधान से पूजा एवं अभिषेक कर आरती की गई पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि इस अवसर पर भगवान भोले नाथ को सेहरा बांधकर दूल्हे के रूप में सजाया गया पश्चात महिलाओं ने मधुर भजनों से शिव पार्वती को प्रसन्न कर परिवार के लिए सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा ,,, बाद भोलेनाथ को खिचड़ी एवं फलो का भोग लगाकर प्रसादी वितरण किया। उक्त जानकारी पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने दी।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के लिए चिन्हित विषयों में प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर विभिन्न विभागों को प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, प्रधानमंत्री मानधन योजना, स्वरोजगार योजनाएं, एकल नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन, सड़क पुनर्निर्माण की गुणवत्ता, ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य, सभी पात्र व्यक्तियों की केसीसी, स्कूली बच्चों की समग्र आईडी बनाने, नवीन शैक्षणिक सत्र में नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉपआउट बच्चों में कमी लाने की कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही छात्रावासों में छात्र संसद का गठन, सांदीपनि विद्यालयों में समीपस्थ स्कूलों को मर्ज करने व सांदीपनि विद्यालयों में बसों की स्थिति, निन्शुल्क पुस्तक वितरण व उनकी एंट्री, पोषण आहार व स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग, एएनसी पंजीयन, मातृ वंदना योजना, बालिका शौचालय, रोजगार, उद्योग एवं निवेश, राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने व सड़क सुरक्षा के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने एट्रोसिटी एक्ट अंतर्गत राहत वितरण तथा सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित कर आपेक्षित प्रगति लाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी, छात्रावास, अस्पताल और शासकीय कार्यालयों में स्थित पानी की टंकियों की साफ-सफाई कराएं और टंकियों पर आखिरी सफाई की तारीख भी अंकित करें। उन्होंने शासन द्वारा संधारित कराने के लिए मंदिरों के संबंध में भी आवश्यक जानकारी ली और मंदिर के भूमि के उपयोग के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएमएचओ से कहा कि जो लोग गरीबी रेखा की श्रेणी में आते हैं और जिन्हें कृत्रिम दांत की आवश्यकता है, उनके डेटा एकत्रित कर कृत्रिम दांत लगवाना सुनिश्चित करें।

मीटिंग में देर से पहुंचने वाले अधिकारियों को कलेक्टर ने लगाई फटकार, वेतन काटने के दिये निर्देश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित सीएम हेल्प लाइन प्रकरणों के निराकरण के साथ ही प्रशासनिक, राजस्व एवं जनहित से जुड़े अनेक विषयों पर विस्तार से समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में विलंब से पहुंचने पर रेशम, मत्स्य, परिवहन, खाद्य सुरक्षा तथा विद्युत वितरण विभाग के अधिकारियों को फटकार लगते हुए एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये। इसी तरह सीएमओ भैरूंदा और सीएमओ इछावर को अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक में भू-अर्जन प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए नेशनल हाईवे, रेलवे सहित सभी परियोजनाओं संबंधित लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। वन विभाग से संबंधित बिंदुओं में वन ग्राम से राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन, वन प्रबंधन, से जुड़े प्रकरणों पर चर्चा की गई और प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी, लंबित टीएल प्रकरण, आयोगों के लंबित प्रतिवेदन, सीएम मॉनिटर एवं सीएम हाउस से संबंधित मामलों की भी गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री बालागूरू के. ने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के प्रमुख बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने को कहा । इसके अलावा जनसुनवाई एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों, लंबित जवाब-दावे एवं अवमानना प्रकरण, लंबित भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिये।

वायोना एनर्जी और ऑयस्टर रिन्यूएबल ने आंध्र प्रदेश में 64.8 मेगावाट वायु ऊर्जा की आपूर्ति के लिए किया गठजोड़

मुंबई। वायोना एनर्जी ने स्वतंत्र बिजली उत्पादक (आईपीपी), ऑयस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ भारतीय बाज़ार में अपने पहले सौदे की घोषणा की है। वायोना एनर्जी, भारत और दक्षिण एशिया की प्रमुख विंड टर्बाइन ओईएम के तौर पर, हरित ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया में तेज़ी लाने और पूरे क्षेत्र में वहनीय बिजली समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वायोना एनर्जी, इस समझौते के तहत, आंध्र प्रदेश के कडप्पा में एक परियोजना के लिए 18 एसजी 3.6-145 विंड टर्बाइन, कुल 64.8 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करेगी, साथ ही इसमें एक दीर्घकालिक परिचालन और रख-रखाव का अनुबंध भी शामिल है। सीमेंस गेम्सा से अधिग्रहण के बाद, भारतीय बाज़ार में हमारे हालिया प्रवेश के बाद अब, वायोना, भारत और श्रीलंका में तटवर्ती (ऑनशोर) वायु ऊर्जा समाधान के विस्तार की स्पष्ट रणनीति के साथ बाज़ार में आ रही है।

वायोना एनर्जी के कार्यकारी उपाध्यक्ष, प्रशांत जैन ने कहा, हमने 1 गीगावाट से अधिक के उल्लेखनीय ग्राहक ऑर्डर बुक और 97 गीगावाट के ओएंडएम पोर्टफोलियो के साथ शानदार शुरुआत की है। ऑयस्टर एनर्जी से मिले इस ऑर्डर से हमारे ग्राहकों के बीच हमारे उत्पादों और क्षमताओं में विश्वास और दृढ़ होगा। भारतीय बाज़ार के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटूट है - हम प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए तैयार अनुकूलित पेशकशों के साथ प्रगति कर रहे हैं। हम भारत के विस्तृत होते अक्षय ऊर्जा परिदृश्य में अपनी सेवा प्रदान करने के लिए तत्परता और नवोन्मेष के साथ ग्राहकों की अलग-अलग किस्म की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हो रहे हैं। हम ऑयस्टर एनर्जी के आभारी हैं कि उसने भारत में अपने अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो का निर्माण प्रक्रिया में हम पर भरोसा जताया है।

ऑयस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ भाटिया ने इस घटनाक्रम पर अपनी टिप्पणी में कहा, यह 64.8 मेगावाट की परियोजना बड़ी उपलब्धि है और आंध्र प्रदेश में यह हमारा पहला और सबसे बड़ा उद्यम है। वायोना एनर्जी हमारी पहली पसंद थी क्योंकि यह अपनी तकनीकी उत्कृष्टता और मज़बूत विनिर्माण आधार, विशेष तौर पर अपनी उन्नत 3.6 मेगावाट मशीनों के लिए मशहूर है, जो इस इलाके की हवा की स्थिति के लिए उपयुक्त हैं। यह भागीदारी 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और दृढ़ करती है, जिससे हम अपने वाणिज्यिक और औद्योगिकी ग्राहकों को उच्च प्रदर्शन, वहनीय बिजली प्रदान करते हुए घरेलू ऊर्जा परितंत्र को सुदृढ़ बना सकते हैं।

भारत में 3एक्स प्लेटफॉर्म के लॉन्च के बाद से, ऑर्डर प्राप्ति 3.6 गीगावाट से अधिक हो गई है। गौरतलब है कि दिसंबर 2025 तक इंस्टॉलेशन 2 गीगीवाट से अधिक हो गया। इससे कंपनी की टेक्नोलॉजी, क्रियान्वयन क्षमता और भारतीय परिचालन स्थिति में इसके टर्बाइन की विश्वसनीयता पर बाज़ार का भरोसा ज़ाहिर होता है। इन विंड टर्बाइन के मुख्य कल-पुर्ज़े चेन्नई के पास मामंदूर स्थित वायोना एनर्जी के संयंत्र में बनाए और असेंबल किए जाएंगे, और इनकी आपूर्ति, साल 2026 की पहली तिमाही में शुरू होगी।

कुबेरेश्वर धाम पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से हो रहीं हैं संचालित, श्रद्धालुओं ने की व्यवस्थाओं की सराहना

श्रद्धालुओं को मिल रहा है सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धामय वातावरण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम पर 14 से 20 फरवरी तक आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव एवं शिव महापुराण कथा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। जिला प्रशासन एवं विठ्लेश सेवा समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं के चलते आयोजन स्थल पर यातायात, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता, भोजन, चिकित्सा, सुरक्षा, फायर सेफ्टी, भीड़ नियंत्रण, आवागमन तथा तकनीकी व्यवस्थाएं व्यवस्थित रूप से संचालित हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. एवं एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला द्वारा व्यवस्थाओं का निरंतर निरीक्षण भी किया जा रहा है, ताकि सभी व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से संचालित बनी रहे।

आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग पार्किंग जोन, सुगम आवागमन मार्ग, स्पष्ट संकेतक बोर्ड, अनाउंसमेंट सिस्टम, पेयजल प्याऊ, अस्थायी शौचालय, नियमित सफाई व्यवस्था, भोजनशाला, चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस, दवाइयां, मिनी आईसीयू, कंट्रोल रूम तथा खोया-पाया सहायता केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। यातायात को सुचारू बनाए रखने हेतु डायवर्जन प्लान भी प्रभावी रूप से लागू है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

देशभर से आए श्रद्धालुओं ने यहां की व्यवस्थाओं की सराहना की है। नई दिल्ली से आई प्रिया रंजन ने बताया कि यहां भोजन, पानी, शौचालय एवं ठहरने तक की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित हैं, जिससे दर्शन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही। बिदार (कर्नाटक) से आए देवीदास ने कहा कि चिकित्सा सुविधा, दवा उपलब्धता तथा आपातकालीन सेवाएं बेहतर हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना नही करना पड़ रहा हैं।

बेटमा (इंदौर) से पहुंचीं ज्योति वर्मा ने भोजन व्यवस्था और स्वच्छता की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन एवं समिति द्वारा बहुत ही सुनियोजित प्रबंध किए गए हैं। मालेगांव (महाराष्ट्र) से आए पंढरी नाथ प्रहलाद शेवादे ने बताया कि यहां आराम से भोजन मिल रहा है, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध है तथा आवागमन और पार्किंग की व्यवस्था भी अत्यंत सुगम है। इसके अलावा कल्याण (मुंबई) से आई स्नेहलता भगवान शर्मा ने कहा कि खोया-पाया सहायता केंद्र, स्वास्थ्य सेवाएं, यातायात तथा स्वयंसेवकों का सहयोग सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के बावजूद व्यवस्थाएं अनुशासित और सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं।

जिला प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी, अधिकारियों की तैनाती तथा आयोजन समिति के समन्वय से कुबेरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धामय वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

जबलपुर में यातायात नियमों को लेकर प्रशासन सख्त बार-बार उल्लंघन पर निरस्त होंगे ड्राइविंग लाइसेंस और नो-पार्किंग में खड़ी कारें होंगी जब्त

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने अब तक का सबसे सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया है कि यातायात नियमों की बार-बार अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत ऐसे वाहन चालक जिनके नाम पर पांच से अधिक बार ई-चालान जारी हो चुके हैं और उन्होंने राशि का भुगतान नहीं किया है, उनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्मार्ट सिटी और यातायात पुलिस द्वारा ऐसे उल्लंघनकर्ताओं की सूची तैयार की जा रही है ताकि उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कदम उठाए जा सकें। प्रशासन ने ई-चालान की वसूली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए परिवहन विभाग को एक विशेष प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत वाहनों के पंजीयन और बीमा का नवीनीकरण तभी संभव होगा जब वाहन मालिक अपने सभी लंबित ई-चालानों का भुगतान कर देंगे। वर्तमान में जबलपुर स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से शहर के प्रमुख चौराहों जैसे तीन पत्ती, शास्त्री ब्रिज, नागरथ चौक, गोहलपुर, लेबर चौक, बंदरिया तिराहा, तैय्यब अली और अधारताल सहित अन्य स्थानों पर रेड लाइट उल्लंघन, बिना हेलमेट और ट्रिपल राइडिंग पर लगातार नजर रखी जा रही है। विशेष रूप से शहर के प्रवेश और निकास मार्गों पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में जाम की समस्या से निपटने के लिए मल्टीलेवल कार पार्किंग के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। भंवरताल, सिविक सेंटर और मानस भवन स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के 300 मीटर के दायरे को नो पार्किंग जोन घोषित किया गया है। यदि कोई भी कार मालिक इस परिधि में सड़क किनारे अवैध पार्किंग करता पाया जाता है, तो यातायात पुलिस द्वारा वाहन को तत्काल जब्त कर लिया जाएगा। टायर लॉक सिस्?टम शुरू किया जायेगा। जब्त किए गए वाहनों को टोइंग शुल्क और चालान राशि जमा करने के बाद ही छोड़ा जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ आगामी 10 दिनों के भीतर इन सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में नगर निगम कमिश्?नर श्री राम प्रकाश अहिरवार, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री अनुराग सिंह, एएसपी ट्रैफिक सुश्री अंजना तिवारी, डीएसपी ट्रैफिक श्री संतोष शुक्ला, केन्ट बोर्ड की ओर से अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह एवं वन मंडलाधिकारी श्री भारत सोलंकी उपस्थित रहे।

बैठक में वन मंडलाधिकारी द्वारा वन परिक्षेत्रों में अतिक्रमण हटाये जाने की स्थिति, वन व्यवस्थापन कार्य, वन-राजस्व सीमा विवाद, वन क्षेत्र में दर्ज अन्य अपराधों, वनाधिकार अधिनियम के लंबित प्रकरणों, वनखण्डों से संबंधित मामलों तथा वनोपज के अवैध परिवहन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि वन मंडल झाबुआ अंतर्गत कुल अतिक्रमण रकबे के विरुद्ध चरणबद्ध कार्यवाही की जा रही है तथा हटाए गए अतिक्रमण की भी जानकारी दी गई। वन भूमि से बेदखली हेतु भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 80(अ) के अंतर्गत नोटिस जारी किए गए हैं तथा धारा 80(अ)(1) के तहत बेदखली आदेश भी पारित किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुपालन में कुछ अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं तथा शेष प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही जारी है।

टास्क फोर्स की बैठक में वन क्षेत्र में अपराध की रोकथाम एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए पुलिस प्रशासन से समन्वय पर बल दिया गया। साथ ही वन व्यवस्थापन कार्य के प्रकरणों के संबंध में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि एसडीएम एवं एसडीओ (फॉरेस्ट) अनुभाग स्तर पर बैठक आयोजित कर लंबित प्रकरणों की जानकारी साझा करें तथा समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में खैर वनोपज के अवैध परिवहन से संबंधित प्रकरणों की जानकारी देते हुए बताया गया कि पेटलावद परिक्षेत्र में 4 एवं झाबुआ परिक्षेत्र में 1 कार्यवाही की गई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एक केंद्रीकृत कंट्रोल रूम के नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आम नागरिक अवैध परिवहन या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम के माध्यम से दे सकें।

बैठक में अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 तथा नियम 2008 एवं संशोधन नियम 2012 के अंतर्गत पूर्व में निरस्त दावों के पुनः परीक्षण के उपरांत 181 प्रकरणों के निराकरण की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने शेष लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि वन संसाधनों का संरक्षण, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा पात्र हितग्राहियों को विधिसम्मत अधिकार प्रदान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। टास्क फोर्स के माध्यम से इन सभी कार्यों की नियमित समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थान्दला श्री महेश मण्डलोई सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान के शिविरों में एसडीएम स्वयं व्यवस्थाएं देखें

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की अब तक की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि अभियान के द्वितीय चरण में आयोजित होने वाले शिविरों में एसडीएम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्वयं जाएं और वहां की व्यवस्थाएं देखें तथा सुनिश्चित करें कि ग्रामीणों को उनके पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ मिले। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के आर बड़ोले सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

जनगणना के लिए सभी आवश्यक तैयारियां करें- कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि जनगणना के लिए अभी से सभी आवश्यक तैयारियां की जाएं। उन्होंने बताया कि जनगणना-2027 के तहत मई माह में सर्वे कर घरों की लिस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा तथा फरवरी 2027 में घर-घर जाकर जनगणना की जानकारी एकत्र की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनगणना के लिए 15 से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को उनकी जानकारी जनगणना पोर्टल में स्वयं ही भरने की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बात का प्रचार प्रसार किया जाए कि जनगणना के लिए नागरिकगण अपने घर आने वाले प्रगणक को सही सही जानकारी दें, ताकि जनगणना के माध्यम से सही तथ्य एकत्र हों।

संकल्प से समाधान अभियान के शिविरों के स्थान व तिथि का व्यापक प्रचार प्रसार करें - कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिए कि शिविरों के आयोजन से पूर्व उनके स्थान और तिथि का व्यापक प्रचार प्रसार करें। उन्होंने कहा कि शिविर से एक दिन पूर्व गांव में मुनादी करायें, ताकि अधिक से अधिक लोग शिविर में लाभान्वित हो सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि शिविर में जो आवेदन अपात्रता के कारण अस्वीकृत किए जा रहे हैं उन आवेदकों को अपात्रता का स्पष्ट कारण बताते हुए आवेदन अस्वीकृत किया जाए। बैठक में बताया गया कि संकल्प से समाधान अभियान के पहले चरण में लगभग 80 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, इनमें से 51650 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं।

जावर व जसवाड़ी में संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविर सम्पन्न

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागरिकों को उनकी पात्रता अनुसार सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिये प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सोमवार को खण्डवा विकासखण्ड के ग्राम जावर व जसवाड़ी में शिविर आयोजित किये गए। जावर के शिविर में कुल 430 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निराकरण किया गया। जावर के शिविर में 17 आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इसके साथ ही बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए तथा जन्म मृत्यु सम्बंधी 3 प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही सोमवार को संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्राम जसवाड़ी में भी शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 500 आवेदन प्राप्त हुए, इसमें से 285 का मौके पर ही निराकरण किया गया। राजस्व विभाग द्वारा 4 किसानों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। साथ ही 3 किसानों को राजस्व अभिलेख उपलब्ध कराए गए।

स्वास्थ्य शिविरों में कुल 513 मरीजों का उपचार किया गया- मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि सोमवार को खण्डवा विकासखण्ड के ग्राम जावर व जसवाड़ी में आयोजित शिविर में मरीजों की उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन व सिकलसेल की जांच कर उन्हें दवाईयां वितरित की गईं। टी.बी. के संभावित मरीजों का स्पुटम कलेक्शन भी किया गया।

कलेक्टर ने जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर सभा कक्ष में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, कुपोषण उन्मूलन, टीएचआर वितरण सहित विभिन्न पोषण एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की परियोजनावार गहन समीक्षा की। खराब प्रदर्शन करने वाले सुपरवाइजर्स को नोटिस जारी करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रमाण-पत्र प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुपातिक लक्ष्य की अपेक्षा वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति पर विशेष जोर दिया जाए। साथ ही प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने हेतु लक्ष्य के विरुद्ध 10त्न, 20त्न एवं 50त्न प्रगति वाली आंगनवाड़ियों की दैनिक रिपोर्ट तैयार कर प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

लाड़ली बहना योजनान्तर्गत 81,419 बालिकाओं के समग्र सत्यापन में से 47,269 सत्यापन पूर्ण होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने शेष सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए वीएचएसएनडी सत्रों में व्यापक मोबिलाइजेशन, भगोरिया पर्व के दौरान विशेष अभियान चलाने तथा ग्राम सचिवों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा के दौरान 12,365 के लक्ष्य के विरुद्ध 83.40 प्रतिशत उपलब्धि की जानकारी प्रस्तुत की गई। झाबुआ परियोजना में अपेक्षाकृत खराब प्रगति पर संबंधित सीडीपीओ को नोटिस जारी करने तथा कमजोर प्रदर्शन वाली आंगनवाड़ियों का निरीक्षण कर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त फेस रिकग्निशन, अपार आईडी, आभा आईडी, हॉट कुक्ड मील एवं टीएचआर वितरण की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन अंतर्गत पोषण ट्रैकर एप पर सैम, मैम एवं एसयूडब्ल्यू बच्चों के चिन्हांकन एवं पंजीयन कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एमोक्सिलीन सिरप की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। प्री-स्कूल एजुकेशन की समीक्षा में पुस्तकों एवं मोंटेसरी खिलौनों के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया।

बैठक में बताया गया कि 293 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में से 79 पोषण वाटिकाएं एवं 58 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 105 स्वीकृत शौचालयों में से 37 प्रगतिरत हैं। कलेक्टर ने सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत 479 आंगनवाड़ी कार्यों में से 103 पूर्ण, 362 प्रगतिरत एवं 14 अप्रारंभ हैं। अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सहायिका एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों पर नियुक्ति में हो रही अनावश्यक देरी पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि नियुक्ति प्रक्रिया में हुई देरी के कारणों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समयबद्ध रूप से कार्यवाही सुनिश्चित नहीं की गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री आर.एस. बघेल सहित सीडीपीओ एवं संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

सिकल सेल और टी.बी. मुक्त भारत की दिशा में कार्य करते हुए बड़वानी में राज्यपाल ने वितरित किए दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं पोषण आहार

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भिलट देव धाम, ग्राम नागलवाड़ी (जिला बड़वानी) में सुशीलादेवी उमरावसिंह पटेल सेवा संस्थान द्वारा सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन एवं टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं पोषण आहार वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता के संस्कारों से प्रेरित होकर सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने जो सेवा का संकल्प लिया है, वह अत्यंत प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है। उन्होंने स्वर्गीय सुशीला देवी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनकी स्मृति में संचालित सेवा संस्थान निरंतर पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। राज्यपाल ने बताया कि संस्था द्वारा टी.बी. रोगियों को पोषण आहार, सिकल सेल जांच, व्यापक जागरूकता तथा विभिन्न प्रकार की निःशुल्क जांच-परामर्श सेवाएँ पिछले चार वर्षों से सतत रूप से प्रदान की जा रही हैं, जिससे समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग को सीधा लाभ मिल रहा है। इसी अवसर पर सांसद अभियान ÷हर ग्राम-एक काम (ग्रामहिते राष्ट्रहिते)÷ का शुभारंभ राज्यपाल के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस जनसंवाद एवं विकास अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पंचायत में केंद्र, केंद्र-प्रायोजित एवं राज्य शासन की योजनाओं के माध्यम से कम से कम एक ठोस जनकल्याणकारी कार्य पूर्ण करना है, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँच सके। अभियान के अंतर्गत सांसद प्रत्येक पंचायत में प्रवास कर युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों से संवाद करेंगे, उनकी आवश्यकताओं को ठोस विकास कार्यों एवं अवसरों में परिवर्तित करेंगे, स्वरोजगार-रोजगार के नए मार्ग सृजित करेंगे तथा स्थानीय उद्योगों एवं लघु व्यवसायों को प्रोत्साहित करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर तथा अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य सहित गणमान्यजन डॉ. प्रकाश शास्त्री ने अपने विचार व्यक्त किए। स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हृदय रोग, कैंसर, स्त्री रोग, स्तन कैंसर, नाक-कान-गला, हड्डी रोग, शिशु रोग, मूत्र रोग, नेत्र रोग एवं जनरल मेडिसिन संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। उपलब्ध जांच सुविधाओं में ईको, ईसीजी, शुगर, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, मोतियाबिंद एवं नेत्र परीक्षण, सर्वाइकल कैंसर जांच, कोलपोस्कोपी, पैप स्मीयर तथा मैमोग्राफी शामिल रहीं। बड़ी संख्या में नागरिकों ने शिविर में पहुँचकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल द्वारा सिकेल सेल मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एव टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय मित्र योजना के तहत टीबी मरीजों को पोषण आहार वितरित किया गया। इस अवसर पर सांसद रतलाम-झाबुआ श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष बड़वानी बलवंतसिंह पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष खरगोन श्रीमती नंदा ब्राह्मणे, भाजपा जिला अध्यक्ष बड़वानी अजय यादव, पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल, संस्था अध्यक्ष श्रीमती बसंती गजेंद्रसिंह पटेल, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, चिकित्सक, समाजसेवी, एवं बड़ी संख्या में खरगोन-बड़वानी संसदीय क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

बड़वानी सीवरेज परियोजना का केएफडब्ल्यू प्रतिनिधिमंडल द्वारा स्थलीय निरीक्षण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। केएफडब्ल्यू के प्रतिनिधिमंडल ने बड़वानी में संचालित सीवरेज परियोजना के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर जमीनी स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान परियोजना के विभिन्न घटकों की प्रगति, गुणवत्ता एवं क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संविदाकार को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। केएफडब्ल्यू की ओर से राहुल मनकोटिया, तकनीकी विशेषज्ञ एवं लुकाश, पोर्टफोलियो मैनेजर ने परियोजना कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी (एमपीयूडीसी) के सहायक परियोजना अधिकारी संजय पांडे उपस्थित रहे। खरगोन पीआईयू से विजय बघेल, बनवारीलाल यादव तथा चन्द्र जीत सिंह उपस्थित रहे। पीएमसी टीम से ओरियो एवं सीमा श्रीवास्तव ने भी निरीक्षण में सहभागिता की।संविदाकार की ओर से स्वप्निल, रवि जादौन एवं दीपेंद्र अरूण सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं तकनीकी कार्मिक उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान परियोजना के कार्यों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक अनुरूप पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया, जिससे नागरिकों को बेहतर एवं सुगम सीवरेज सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

ओंकारेश्वर में शिवरात्रि पर व्यवस्थाओं में बदलाव से श्रद्धालुओं को हुई सुविधा

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में महाशिवरात्रि के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को ध्यान में रखते हुए इस बार व्यवस्थाओं में परिवर्तन किया गया था, जिसके सार्थक परिणाम देखने को मिले। एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा ने बताया कि मोरटक्का से नए बस स्टैण्ड तक परिवहन विभाग के माध्यम से मात्र 20 रूपए किराया निर्धारित कर बसें चलाई गईं। नए बस स्टैंड से ओल्ड बस स्टैंड तक श्रद्धालुओं के आने जाने के लिए ऑटो रिक्शा चलाए गए, जिससे बाहर से आने वाले ऑटो रिक्शा पर रोक लगी। एसडीएम श्री वर्मा ने बताया कि जेपी चौक से झूला पुल तक वनवे ट्रैफिक की व्यवस्था की गई तथा निर्वाणी अखाड़ा के पास जूता स्टैण्ड की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि पिछले 15 दिनों में ट्रेंचिंग ग्राउण्ड पार्किंग तथा ताम्रकार पार्किंग क्षेत्र का समतलीकरण कराकर ओंकारेश्वर नगर की वाहन पार्किंग क्षमता बढ़ाई गई।

कर संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मूंदी नगर परिषद को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल ?2.20 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्य प्रदेश द्वारा राज्य स्तर पर गठित विशेषज्ञ समिति ने निर्धारित कड़े मानदंडों और मूल्यांकन के आधार पर प्रदेश की 10 नगरपालिकाओं और 10 नगर परिषदों का चयन किया है। चयनित नगरपालिकाओं में खरगोन, सीहोर, मंदसौर, विदिशा, बैतूल, हरदा, बालाघाट, पांढुरना, बड़वानी एवं झाबुआ सम्मिलित हैं। इसी प्रकार, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली नगर परिषदों में खंडवा जिले की नगर परिषद मूंदी के साथ साथ खरगोन जिले की नगर परिषद महेश्वर, बदनावर, राऊ, कसरावद, निवाड़ी, सैलाना, बिरसिंहपुर, पिपल्या मण्डी एवं सुवासरा को स्थान मिला है। आयुक्त श्री भोंडवे ने बताया कि चयनित नगरीय निकायों को पूर्व में प्रोत्साहन राशि की प्रथम किस्त के रूप में ?55 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में 'क्षीर धारा ग्राम' योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन दुगुना करने के लिए एवं पशुपालन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संचालित क्षीर धारा ग्राम योजना संचालित है। जिसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पशुपालन विभाग, वन विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक में कलेक्टर ने योजना के मुख्य उद्देश्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान केंद्रित कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट पशुपालकों को प्रोत्साहित कर मॉडल ग्राम विकसित किए जाएं, जिससे अन्य ग्रामों को भी प्रेरणा मिल सके।

योजना के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा - बैठक में उच्च नस्ल से शत-प्रतिशत गर्भाधान, पशुओं की टैगिंग एवं टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा चारा उत्पादन को बढ़ावा देने संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि हरे चारे के उत्पादन हेतु किसानों को प्रेरित करते हुए चारा बीज मिनीकिट का वितरण प्राथमिकता से किया जाए। साथ ही गोबर एवं गोमूत्र के वैज्ञानिक प्रबंधन जैसे जैविक खाद निर्माण एवं गोबर गैस संयंत्र स्थापना को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

प्रथम वर्ष की कार्ययोजना की समीक्षा- बैठक में अवगत कराया गया कि ग्रामवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रथम वर्ष में चयनित 86 ग्रामों में आधारभूत सर्वेक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा। इसके उपरांत रोस्टरवार सघन बधियाकरण अभियान, बांझपन निवारण शिविर, सघन टीकाकरण अभियान एवं पशुपालक जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजने एवं अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। निर्धारित मापदंडों की पूर्ति उपरांत जून 2026 तक ग्रामों का सत्यापन एवं प्रमाणन कर सफल ग्रामों की घोषणा की जाएगी।

द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की रूपरेखा - द्वितीय वर्ष में टीकाकरण एवं टैगिंग अभियान को सुदृढ़ करते हुए शत-प्रतिशत गर्भाधान का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा तथा चारा बीज मिनीकिट वितरण को विस्तार दिया जाएगा। पात्र ग्रामों को वर्षांत तक क्षीर धारा ग्राम घोषित किया जाएगा। तृतीय वर्ष में गहन हस्तक्षेप के साथ पशु स्वास्थ्य शिविर, उच्च नस्ल से गर्भाधान, 100 प्रतिशत टीकाकरण एवं टैगिंग सुनिश्चित करते हुए जिले के सभी पात्र ग्रामों को योजना अंतर्गत शामिल कर प्रमाणित किया जाएगा।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पशुपालन विभाग, वन विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। वन क्षेत्रों की पाँच किलोमीटर परिधि में स्थित ग्रामों को संयुक्त प्रयासों से चरणबद्ध रूप से विकसित किया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि क्षीर धारा ग्राम योजना के माध्यम से जिले में दुग्ध उत्पादन आधारित समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में ठोस एवं दीर्घकालिक पहल सुनिश्चित की जा रही है, जिससे पशुपालकों की आय में वृद्धि एवं ग्राम स्तर पर आर्थिक सशक्तिकरण संभव होगा।

इस दौरान वनमंडलाधिकारी श्री भारत सोलंकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, उप संचालक कृषि श्री एन एस रावत, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. ए एस दिवाकर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाशिवरात्रि पर सुबह सेहरा सजा, दोपहर में हुई भस्म आरती

सुबह 10 बजे से आम प्रवेश बंद, दोपहर 2 बजे बाद फिर खुले मंदिर के द्वार – रात तक चलता रहा दर्शन का सिलसिला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर महाकालेश्वर मंदिर में आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरी रात चले चार प्रहर के पूजन-अनुष्ठान के बाद सोमवार सुबह विधि-विधान से भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। सवामन फूलों और सप्तधान्य से सजे सेहरे ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भस्म आरती के दौरान आम से धर्म का प्रवेश मंदिर में रोक दिया गया था।

महाशिवरात्रि के दूसरा दिन सोमवार सबसे खास रहा।वर्ष में एक बार दोपहर में होने वाला भस्म आरती का आयोजन, जिसके साक्षी बनने हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। हालांकि भस्म से शुरू होने के 2 घंटे पहले आम श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया गया था।

महाशिवरात्रि की रात्रि में परंपरा अनुसार चार प्रहर की पूजा संपन्न हुई। 11 ब्राह्मणों द्वारा एकादश-एकादशनी रुद्रपाठ के साथ भगवान महाकाल का अभिषेक किया गया। पूजन के दौरान पांच प्रकार के फलों के रस से अभिषेक हुआ। इसके बाद पंचामृत पूजन किया गया, जिसमें दूध, दही, घी, शहद, खांडसारी शक्कर, गंगाजल, गुलाब जल, भांग और केसर मिश्रित दूध अर्पित किया गया।

अभिषेक उपरांत भगवान को नवीन वस्त्र धारण कराए गए तथा चावल, खड़ा मूंग, तिल, गेहूं, जौ, साल और खड़ा उड़द सहित सप्तधान्य अर्पित किए गए। अंत में पुष्प मुकुट और सेहरे से भव्य श्रृंगार किया गया।

दोपहर में हुई दुर्लभ भस्म आरती - महाशिवरात्रि पर वर्ष में एक बार दोपहर में भस्म आरती की परंपरा निभाई जाती है। इसी क्रम में विशेष आरती संपन्न हुई। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचने लगे थे।

सुबह 10 बजे से सारे गेट बंद - मंदिर प्रशासन ने सुबह 10 बजे से सामान्य श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया गया था। भारत माता मंदिर की ओर बने प्रवेश द्वार, अवंतिका द्वार मार्ग और बड़ा गणेश मंदिर के सामने गेट नंबर 4 सहित कई मार्गों पर बैरिकेड्स लगाए गए। हरि फाटक, जंतर-मंतर मार्ग, नृसिंह घाट मार्ग और हरसिद्धि की पाल की ओर से भी आवागमन बंद कर दिया गया था। हालांकि नदी हाल और गणेश मंडपम में अधिकारियों और अति विशिष्ट लोगों तथा उनके परिवारों का डेरा लग रहा।

रास्ते बंद होने से श्रद्धालुओं को हुई परेशानी- कई श्रद्धालुओं को 2 से 3 किलोमीटर घूमकर जूता-चप्पल स्टैंड तक पहुंचना पड़ा। बड़ी संख्या में भक्तों ने बंद मार्गों के कारण अपनी चरण पादुकाएं स्टैंड पर ही छोड़ दीं। हालांकि, दोपहर 2 बजे भस्म आरती के बाद मंदिर में पुनः प्रवेश शुरू कर दिया गया। इसके बाद रात 10॰30 बजे शयन आरती तक हजारों श्रद्धालुओं ने सेहरा दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

वाल्मीकि धाम, अंगारेश्वर व हाटकेश्वर की ओर बनाए जा रहे घाट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए 29 किलोमीटर के घाट बनाए जाना है इन घाट को बनाने का काम तेजी से जारी है। लगभग 8 किलोमीटर के घाट बना भी चुके हैं। बाकी के घाट भी समय अवधि में जल्दी बनाए जाने का दावा अधिकारी कर रहे हैं। कुछ दिन पहले शांति पैलेस की पीछे घाट निर्माण के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई थी।

उज्जैन में अब नदी के दोनों तरफ 29 किलोमीटर के घाट सिंहस्थ महापर्व के पहले बनकर तैयार होंगे। घाट बनाने और उन पर पेंटिंग का काम भी चल रहा है। वाल्मीकि धाम के यहां ब्रिज के पास घाट बनाए जा रहे हैं और अंगारेश्वर के यहां तो घाट की रिटर्निंग वालों और घाट भी लगभग बनकर तैयार हो गए। यहां टेस्टिंग के लिए पेंटिंग और आदि भी की जा रही है। इसके अलावा हाटकेश्वर के उधर ब्रिज के पास भी घाट बनाए जा रहे हैं लगातार घाट बनाने का काम जारी है।

कार हटाने की बात पर विवाद, 12 घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घट्टिया तहसील के ग्राम बीरमखेड़ी में बीती रात सौंधिया परिवार में शादी होने पर युवराज सौंधिया का बाना निकाला जा रहा था। इस दौरान समीप रहने वाले श्यामसिंह पिता शिवसिंह चौहान की बोलेरो खड़ी थी। जिसे हटाने की बात पर दोनों परिवारों के बीच विवाद हो गया। दोनों ओर से लाठी-डंडे निकल पड़े। एक-दूसरे के घर में घुसकर मारपीट की गई। विवाद में श्यामसिंह चौहान की ओर से किशोरसिंह 55 साल, विरेन्द्रसिंह 30 साल, राजपालसिंह 30 साल नरेन्द्रसिंह 22 साल, विजयसिंह 25 साल, भूपेन्द्रसिंह 25 साल, यशपालसिंह 25 साल घायल हो गये। सौंधिया परिवार की ओर से तूफानसिंह 50 साल, मानुबाई 40 साल, प्रभुबाई 60 साल, नारायणसिंह 40 साल और जितेन्द्रसिंह 17 साल घायल हुए है। घट्टिया थाना पुलिस ने एक पक्ष से मौकमसिंह सौंधिया और दूसरे पक्ष से श्यामसिंह चौहान की शिकायत पर क्रास प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। सभी घायलों का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है।

विक्रमोत्सव व्यापार मेले के प्रथम दिवस 501 वाहन विक्रय किए गए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री संतोष मालवीय ने जानकारी दी कि सोमवार को विक्रमोत्सव व्यापार मेले के प्रथम दिवस पर कुल 501 वाहन विक्रय किए गए। जिनमें जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई। इनमें कुल 136 दोपहिया वाहन, 340 चारपहिया वाहन और 25 अन्य वाहनों का विक्रय करने के पश्चात भौतिक सत्यापन कराया गया और इन्हें छूट प्रदान करने की कार्यवाही की गई।

तैयारी 10 लाख की थी आए लगभग 6 लाख

दो से तीन किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है इसलिए महिलाएं और बुजुर्ग रह जाते हैं दर्शन से वंचित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर 10 लाख लोगों के आने की संभावना थी, लेकिन इस अनुमान से श्रृध्दालु नहीं आए। बीती रात साढ़े 10 बजे तक करीब पौने 6 लाख लोगों ने महाकाल के दर्शन किए। इसके पीछे बड़ा कारण यह रहा कि श्रृध्दालुओं को 2 से 3 किमी पैदल चलना पड़ा, इससे खासकर बुजुर्ग और महिलाओं को परेशानी हुई।

उज्जैन जिला प्रशासन ने महाशिवरात्रि पर महाकाल दर्शन करने आने के लिए 10 लाख श्रद्धालुओं की उम्मीद की थी और उसी हिसाब से तैयारी की गई थी लेकिन कल रात्रि 11 बजे तक 5 लाख 67 हजार श्रद्धालु भी दर्शन करने पहुँचे। इसके पीछे जब कारण पता किया गया तो लोगों का कहना था कि आम लोगों को दर्शन करने में प्रशासन बहुत लंबी लाइन लगवाता है और दर्शन के लिए 4 किलोमीटर तक चलना पड़ता है। इसी के चलते श्रद्धालु कम आ रहे हैं।

हालांकि प्रशासन ने शहर में जाम नहीं लगे इसके लिए व्यवस्था पुख्ता की थी। महाकाल मंदिर आने के लिए फोर व्हीलर 2 किलोमीटर के क्षेत्र में प्रतिबंधित कर दी थी। इसी के चलते महाकाल क्षेत्र में जाम नहीं लगा।

दोपहर में ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा की भीड़ लग गई थी और थोड़ी देर जाम की स्थिति बनी थी, लेकिन ट्रैफिक पुलिस ने बाद में ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा को भी इस क्षेत्र में प्रतिबंधित कर दिया। इसके चलते शिवरात्रि के दिन भी हरिफाटक से लेकर बेगम बाग और गोपाल मंदिर तक दो पहिया वाहन और पैदल यात्री सुविधाजनक तरीके से आना-जाना कर रहे थे।

रामायण का मार्मिक क्षण विक्रम उत्सव के मंच पर जीवंत, जटायु के साहस को किया प्रणाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित विक्रम नाट्य समारोह में सोमवार को प्रसिद्ध नाट्य प्रस्तुति 'जटायूवधम्' (कुडियाट्टम शैली) का प्रभावशाली मंचन किया गया। केरल के सुप्रसिद्ध कलाकार श्री मार्गी मधु चाक्यार द्वारा प्रस्तुत इस शास्त्रीय रंगमंच ने अपनी पारंपरिक गरिमा, सशक्त भावाभिनय और सजीव मंच संयोजन से दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

कार्यक्रम शाम 7॰30 बजे पंडित सूर्यनारायण व्यास कला संकुल, कालिदास अकादमी में आयोजित हुआ, जहां कला प्रेमियों की बड़ी संख्या उपस्थित रही। प्रस्तुति में कुडियाट्टम की शास्त्रीय बारीकियों और अभिनय की सूक्ष्मता ने वातावरण को आध्यात्मिक और भावनात्मक ऊंचाई प्रदान की। निर्देशक श्री मार्गी मधु चाक्यार, पद्मश्री श्री मुझिक्कुलम कोच्चुकूटन चाक्यार के पुत्र और श्री अम्मानूर माधव चाक्यार के भतीजे हैं। उन्हें रंगकर्म की समृद्ध परंपरा विरासत में मिली है। उनके मंडल ने भारत के साथ-साथ स्विट्ज़रलैंड, इटली, फ्रांस और दुबई के प्रतिष्ठित उत्सवों में भाग लिया है तथा जेरूसलम, सिंगापुर और येल विश्वविद्यालय (यूएसए) सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुति दी है।

नीलगाय से टकराकर घायल हुए बाइक सवार युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात बाइक से लौट रहे दो युवक सामने आई नीलगाय से टकरा गए। दोनों को घायल हालत में उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने हालत देख भर्ती किया है।

घट्टिया क्षेत्र के ग्राम बांदका में रहने वाला अर्जुन पिता रतनदास 22 वर्ष हमउम्र साथी सुरेश पिता नानूराम के साथ बीती शाम ग्राम कालूहेड़ा गया था। जहां किसान द्वारा अपनी भैंस बेची जा रही थी। दोनों भैंस देखने के बाद वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान कालूहेड़ा के समीप रात 8 बजे के लगभग उनकी बाइक के सामने नीलगाय आ गई। रफ्तार तेज होने पर गाय से टकराने के बाद दोनों घायल हो गए। लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। ग्रामीण क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से लगातार नीलगाय की वजह से हादसे होना सामने आ रहे हैं। शाम ढलने के बाद नीलगाय बेखौफ सड़कों पर आ जाती हैं। इनकी वजह से फसलों को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है। पिछले वर्ष के अंतिम माह में वन विभाग की टीम ने शाजापुर में सैकड़ों नीलगाय पकड़ी थी।

तापमान हुआ 32 डिग्री पार, दिन में गर्मी सुबह शाम ठंड

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम में अब धीरे-धीरे बदलाव आता दिखाई दे रहा है। ठंड सुबह-शाम की रह गई है। दिन में सूरज की तपन से गर्मी महसूस होने लगी है। सोमवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री के करीब पहुंच गया, लेकिन रविवार सोमवार रात न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कुछ दिनों तक तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहने का अनुमान जताया है।

इस बार 14 जनवरी को सूर्य के उत्तरायण होने के बाद भी मौसम में ठंड बनी हुई थी। फरवरी माह का प्रथम सप्ताह ठंड के साथ बारिश और ओलावृष्टि के बीच गुजर था। जिसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ के 2 स्ट्रॉग सिस्टम सक्रिय होना सामने आये थे। अब फरवरी माह आधा गुजर चुका है। दिन में सूरज की तपन तेज होने के साथ तापमान 32.7 डिग्री पहुंच चुका है सोमवार को तापमान में आई तेजी के बाद गर्मी महसूस होने लगी थी। इस बीच रविवार सोमवार रात न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई तापमान 13.5 डिग्री दर्द हुआ जो एक रात पहले 15 डिग्री को पार कर चुका था। मौसम विभाग की माने तो एक-दो दिन में फिर से बदलाव आएगा जो 20 फरवरी तक रहेगा। इस बीच सुबह शाम की ठंड महसूस होगी दिन में सूरज की तपन तेज बनी रहेगी। मार्च माह के प्रथम सप्ताह से गर्मी अपने चरम पर पहुंच जाएगी। जिस तरह दो दिनों से तापमान में आ रही तेजी से गर्मी महसूस हो रही है वहीं घरों और प्रतिष्ठानों में पंखों की रफ्तार तेज हो गई है। आगामी दिनों में गर्मी को देखते हुए लोगों ने गर्मी से बचने के लिये लोगों ने कूलर, एसी का संधारण करना शुरू कर दिया है। बाजारों में कूलर की दुकाने लगना शुरू हो चुकी है। माना जा रहा है कि जिस तरह से ठंड का असर फरवरी माह के पहले 10 दिनों में बना रहा है, उसी तरह से गर्मी भी जल्द अपने चरम पर पहुंचेगी। मार्च अंत तक तामपान 35 से 38 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है।

महाकाल वन मेले में 30 लाख से ज्यादा का कारोबार, आयुर्वेदिक उत्पादों की रही जबरदस्त मांग

पांच दिवसीय आयोजन का समापन , जड़ी-बूटियों और इम्युनिटी बढ़ाने वाले उत्पादों की स्टॉल पर उमड़ी भीड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आयोजित पांच दिवसीय महाकाल वन मेले का समापन सोमवार को हुआ। मेले में इस बार 30 लाख रुपये से अधिक का कारोबार हुआ। खास बात यह रही कि आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और वन उत्पादों की जमकर बिक्री हुई। इम्युनिटी बढ़ाने वाले उत्पादों को खरीदने के लिए लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

11 फरवरी से शुरू हुए इस मेले में रविवार शाम तक बड़ी संख्या में शहरवासियों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग पहुंचे। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार मेले का उद्देश्य आमजन को प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उत्पादों से जोड़ना था, जिसमें अच्छी सफलता मिली।

मेले में विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियां, चूर्ण, काढ़ा, तुलसी सिरप, अश्वगंधा, गिलोय, त्रिफला, आंवला उत्पाद और शहद जैसे वन उत्पादों की बिक्री हुई। बदलते मौसम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के कारण इम्युनिटी बढ़ाने वाले उत्पादों की मांग सबसे ज्यादा रही। कई स्टॉलों पर दिनभर ग्राहकों की भीड़ लगी रही।

आयोजन के दौरान आयुष चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांच शिविर भी लगाया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने परामर्श लिया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों और वन उत्पादों की प्रदर्शनी ने भी मेले को आकर्षक बनाया।

अधिकारियों का कहना है कि राज्य शासन और वन विभाग के सहयोग से आयोजित यह मेला स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का एक सफल प्रयास रहा। मेले के अंतिम दिन भी खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बनी रही। आयोजकों के मुताबिक भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाएंगे ताकि लोगों को प्राकृतिक उत्पादों का लाभ मिल सके और स्थानीय स्तर पर रोजगार को प्रोत्साहन मिले।

महाकाल दर्शन के दौरान बिगड़ी श्रद्धालुओं की तबीयत, 200 से अधिक को देना पड़ा उपचार

लंबी कतार, थकान और भांग सेवन बना कारण, 24 घंटे में स्वास्थ्य टीम ने 450 लोगों का किया इलाज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर महाकालेश्वर मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। दर्शन के लिए घंटों कतार में खड़े रहने, थकान और कुछ मामलों में भांग सेवन के कारण करीब 200 श्रद्धालुओं को मौके पर ही प्राथमिक उपचार देना पड़ा।

मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को निर्धारित मार्ग से प्रवेश दिया जा रहा था। श्रद्धालुओं को दर्शन से पहले करीब तीन से चार किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। कई लोग लंबे समय तक भूखे-प्यासे कतार में खड़े रहे। इसके चलते चक्कर आना, घबराहट और कमजोरी जैसी शिकायतें सामने आई।

सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हो गई। मंदिर परिसर और आसपास बनाए गए अस्थायी चिकित्सा केंद्रों में मरीजों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर स्थिति वाले कुछ श्रद्धालुओं को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भी भेजा गया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में करीब 450 लोगों का उपचार किया गया। इनमें अधिकांश को हल्की परेशानी थी, जिन्हें दवा और आराम की सलाह देकर रवाना किया गया।

प्रशासन की ओर से मंदिर परिसर में अतिरिक्त स्वास्थ्य अमला तैनात किया गया है। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे पर्याप्त पानी पिएं, खाली पेट न रहें और भीड़ में धैर्य बनाए रखें। महाशिवरात्रि पर आस्था का सैलाब उमड़ने के बीच प्रशासन ने सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती है, ताकि किसी प्रकार की बड़ी अप्रिय घटना न हो।

घास की रस्सी बनाकर 200 परिवार हुए आत्मनिर्भर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग द्वारा आयोजित श्री महाकाल वन मेले में वन परिक्षेत्र गाडरवारा वनमंडल नरसिंहपुर के ग्राम गोटीटोरिया गांव की सतपुडा बावेर हस्तकला केंद्र द्वारा वन उत्पाद के तहत बावेर घास से रस्सी बनाने और लकड़ी के माध्यम से सजावटी सामान बनाने का स्टॉल लगाया है। परंपरागत रूप से पहाड़ी क्षेत्र में मिलने वाली बावेर घास का उपयोग कर गोटीटोरिया गांव के करीब 200 परिवारों ने हेण्डीक्राफ्ट निर्माण कार्य शुरु किया है। कलात्मक वस्तुओं का निर्माण कर महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनी है।

दशहरा मैदान पर आयोजित श्री महाकाल वन मेले में वन परिक्षेत्र गाडरवारा वनमंडल नरसिंहपुर के सतपुडा बावेर हस्तकला केंद्र का स्टॉल लगा है। वन परिक्षेत्र गाडरवारा के वन रंक्षक श्री अमन खरे ने बताया कि वन विभाग द्वारा समिति बनाकर वर्ष 2003 से बावेर घास से रस्सी का निर्माण की कार्ययोजना शुरु की थी। इस कार्य में ग्राम गोटीटोरिया के लोगों को जोडकर परंपरागत रुप से पहाड पर मिलने वाली बावेर घास के माध्यम से रस्सी बनाने की प्रक्रिया शुरु की गई। समिति द्वारा 19 गांव के 200 परिवार को 41 हस्तचलित व इलेक्ट्रिक घास बनाने की मशीन देने के बाद प्रतिवर्ष 1 हजार क्विंटल बावेर घास की रस्सी का उत्पादन हो किया जाता है। जिसका वार्षिक टर्नओवर करीब 50 लाख रुपए है।

जिला स्तर पर आयोजित हुई मातृ एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा बैठक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मातृ एवं शिशु मृत्यु की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में 16 फरवरी को कार्यालय मुख्य चिकित्?सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में किया गया। बैठक में डॉ. जितेन्द्र राजपूत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. सुगीता शर्मा, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, डॉ. खुर्शीद लोहावाला, स्त्रीरोग चिकित्सक, श्री मनीष भद्रावले जिला कार्यक्रम प्रबंधक, श्री अनस कुरेशी जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर, श्री दिलीप वसुनिया, सहायक कार्यकम प्रबंधक, समस्त बी.सी.एम., पब्लिक हेल्थ मैनेजर सहित विभिन्न अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि जिले में होने वाली मातृ मृत्यु के समस्त प्रकरणों को कम्युनिटी व फेसिलिटी बेस्ड रिव्यू दल गठित कर करवाया जाए। जिले में किसी भी गर्भवती का घर पर प्रसव सम्पादित न हो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को दृष्टिगत प्रसूति की संभावित दिनांक के पूर्व ही गर्भवती महिला को क्षेत्र की शासकीय संस्था में भर्ती करवाकर संस्थागत प्रसव करवाए, घर पर प्रसव होने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की हिदायत दी गई। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन कर उनसे निरन्तर समन्वय कर उसका पूर्ण प्रबंधन करें, आवश्यकतानुसार आयरन सुक्रोज लगाए। मॉडरेट एनीमिया गर्भवती महिलाओं, सिवीयर एनीमिया गर्भवती महिलाओं का भी प्रबंधन कर नियमित फॉलोअप भी लिया जाए। जिले में गर्भवती महिलाओं को शतप्रतिशत ए.एन. सी. पंजीयन सुनिश्चित कर 04 ए.एन.सी. जांचों की सुविधा भी शतप्रतिशत उपलब्ध करवाएं।

रात में चोरो की गश्तः मेडिकल में चोरी, नमकीन दुकान में प्रयास

कैमरे में 2 बदमाशो के साथ दिखी महिला की पुलिस ने शुरू की तलाश

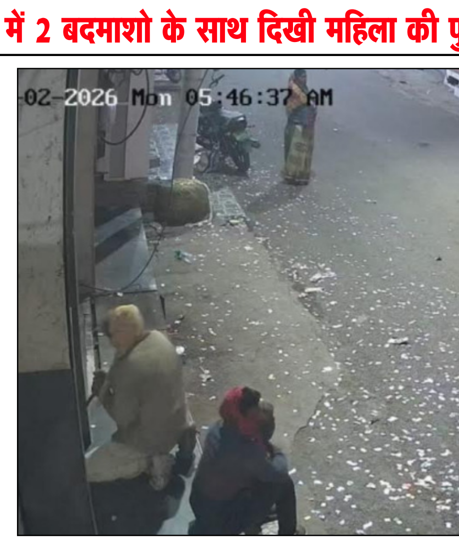

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्री की ड्यूटी में लगी पुलिस की व्यस्तता का रविवार सोमवार का चोरों ने फायदा उठाया और मेडिकल शॉप में चोरी को अंजाम देने के साथ नमकीन दुकान में प्रयास किया। सुबह कैमरो के फोटो देखे गए दो बदमाशों के साथ एक महिला दिखाई दी। पुलिस ने तलाश शुरू की है।

कोतवाली थाने से 20 कदमों की दूरी पर मुख्य चौराहा पर बने रॉयल मेडिकल में रात को चोरों ने ताला तोड़ने के बाद शटर उचका कर चोरी को अंजाम दे दिया। चोरो ने 20 हजार नगद चुराये और भाग निकले। मेडिकल संचालक हरीश आसवानी सुबह और चेक करो चोरी की वारदात का पता चला। तभी सामने आया कि चोरों ने सती गेट स्थित बाफना नमकीन पर भी तड़के चोरी का प्रयास किया था। बदमाश शटर उचकाकर अंदर पहुंचे थे। दुकान में काम करने वाले कर्मचारी अंदर सोए हुए थे जिनके जागने पर बदमाश भाग निकले। नमकीन दुकान के बाहर लगे कैमरे के फुटेज देखने पर सामने आया कि दो बदमाशों के साथ एक महिला वारदात में शामिल है। चोरी और चोरी के प्रयास की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई पुलिस ने फुटेज के आधार पर तलाश शुरू की है। तीनों बाइक से भागना सामने आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से शहर में चोरी की वारदातों का ग्राफ बढ़ता नजर आ रहा है।

कुछ दिन पहले नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के महानंदा नगर और बसंत विहार कॉलोनी में भी चोरी की वारदात होना सामने आया था। दो मकान में हुई बड़ी वारदात के बाद पुलिस ने कैमरे देखे थे जिसमें स्कूटी पर सवार दो बदमाशों के साथ एक युवती होना सामने आई थी। यही नहीं चोरों ने चिमनगंज थाना क्षेत्र के अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी में रेस्टोरेंट संचालक के मकान का ताला तोड़कर आभूषण और नगदी चोरी को अंजाम दिया था। मकान और दुकानों में सामने आ चुकी चोरी से पहले बदमाश मंदिरों को निशाना बना रहे थे।